राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 06, अंक 333 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये रायपुर, रविवार 26 जनवरी 2025 www.samaydarshan.in

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति का संबोधन

'संविधान हमारी सामूहिक अस्मिता का आधार'

नई दिल्ली(एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 76वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर शनिवार को राष्ट्र को संबोधित किया। अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा, 'मेरे प्यारे देशवासियों, नमस्कार! गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर मैं आप सबको हार्दिक बधाई देती हूं। विश्व की प्राचीनतम सभ्यताओं में शामिल भारत को ज्ञान और विवेक का उद्गम माना जाता था लेकिन भारत को एक अंधकारमय दौर से गुजरना पड़ा... आज के दिन सबसे पहले हम उन सूर वीरों को याद करते हैं जिन्होंने मातृभूमि को विदेशी शासन की बेड़ियों से मुक्त करने के लिए बड़ी से बड़ी कुर्बानी दी... इस वर्ष हम भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती मना रहे हैं। वे ऐसे अग्रणी स्वाधीनता सेनानियों में शामिल हैं,

जिनकी भूमिका को राष्ट्रीय इतिहास के संदर्भ में अब समुचित महत्व दिया जा रहा है।

'जीवन मूल्य को सदा से ही हमारी सभ्यता और संस्कृति का अंग'

राष्ट्रपति मुर्मू ने आगे कहा, न्याय, स्वतंत्रता, समता और बंधुता केवल सैद्धांतिक अवधारणाएं नहीं हैं जिनका परिचय हमें आधुनिक युग में प्राप्त हुआ हो। ये जीवन मूल्य को सदा से ही हमारी सभ्यता और संस्कृति का अंग रहे हैं। भारत के गणतांत्रिक मूल्यों का प्रतिबिंब हमारी संविधान सभा की संरचना में दिखाई देता है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने आगे कहा, सरकार ने जन-कल्याण को नई परिभाषा दी है जिसके अनुसार आवास और पेयजल जैसी बुनियादी जरूरतों को अधिकार माना गया है। प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना द्वारा रोजगार और आमदनी के अवसर उत्पन्न करके अनुसूचित जातियों के लोगों की गरीबी को तेजी से कम किया जा रहा है। सरकार ने वित्त के क्षेत्र में जिस तरह से प्रौद्योगिकी का उपयोग किया है, वह एक मिसाल है। भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के स्थान पर भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को लागू करने का निर्णय सर्वाधिक उल्लेखनीय है।

क्षेत्रीय भाषाओं को दिया जा रहा बढ़ावा- राष्ट्रपति

इस दौरान राष्ट्रपति ने कहा- हमारी परंपराओं और रीति-रिवाजों को संरक्षित करने तथा उनमें नई ऊर्जा का संचार करने के लिए संस्कृति के क्षेत्र में अनेक उत्साह-जनक प्रयास किए जा रहे हैं। मुझे प्रसन्नता है कि गुजरात के वडनगर में भारत के प्रथम पुरातात्विक अनुभवात्मक संग्रहालय का कार्य पूरा होने वाला है। शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर शिक्षण- माध्यम के रूप में क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है। राष्ट्रपति ने कहा, बढ़ते आत्मविश्वास के साथ हम अनेक प्रयासों के बल पर अत्याधुनिक अनुसंधान में अपनी भागीदारी बढ़ा रहे हैं। राष्ट्रपति ने इस मौके पर इसरो की उपलब्धियों और खिलाड़ियों के प्रदर्शन की भी सराहना की है। उन्होंने कहा, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने हाल के वर्षों में अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में बहुत बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण और उल्लेखनीय प्रगति के बल पर हम अपना सिर ऊंचा करके भविष्य की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। वर्ष 2024 में डी. गुकेश ने अब तक का सबसे कम उम्र का विश्व चैंपियन बनकर इतिहास रच दिया।

महाकुंभ में दुश्मन भी होंगे एक: संगम में डुबकी लगाने आ रहे 73 देशों के राजनयिक

रूस-यूक्रेन के राजदूत भी आएंगे

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ नगर में 73 देशों के राजनयिक संगम में डुबकी लगाएंगे। रूस और यूक्रेन के राजदूत भी इस ऐतिहासिक महाआयोजन में शामिल होंगे। मेला अधिकारी विजय किरण आनंद ने पुष्टि की है कि राजनयिक एक फरवरी को आ रहे हैं।

आनंद ने बताया कि विदेश मंत्रालय ने इस संबंध में उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव को पत्र भी लिखा है, जिसमें कहा गया है कि जापान, अमेरिका, रूस, यूक्रेन, जर्मनी, नीदरलैंड, कैमरून, कनाडा, स्विट्जरलैंड, स्वीडन, पोलैंड और बोलीविया सहित कई देशों के राजनयिक महाकुंभ में भाग लेंगे। खास बात यह होगी कि इस मौके पर रूस और यूक्रेन के राजदूत भी एक साथ डुबकी लगाएंगे। बता दें कि इन दोनों देशों के बीच लंबे समय से जंग जारी है।

सामने आ रही जानकारी के मुताबिक ये सभी राजनयिक नाव से संगम नोज पहुंचेंगे और पवित्र संगम में डुबकी लगाएंगे। इसके बाद वे अक्षयवट और बड़े हनुमान मंदिर के दर्शन करेंगे, जिसके बाद वे डिजिटल महाकुंभ अनुभव केंद्र में महाकुंभ के बारे में जानेंगे। विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के अधिकारी राजनयिकों के यात्रा की तैयारियों में जुट गया है।

बधाई एवं अवकाश सूचना

समस्त सुधि पाठकों, विज्ञापनदाताओं, संवाददाताओं को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...।।

गणतंत्र दिवस के पावन पर्व पर आज रविवार 26 जनवरी को अवकाश रहेगा। अत: अगला अंक आपको 28 जनवरी मंगलवार को प्राप्त होगा।

5 लाख तक का मुफ्त इलाज, श्रमिकों को 10 हजार वित्तीय सहायता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने शनिवार को 'संकल्प पत्र' को जारी किया। भाजपा ने तीन चरणों में अपना संकल्प पत्र किया है। जिसमें दिल्ली की जनता से कई वादे किए गए हैं। संकल्प पत्र के तीसरा भाग केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जारी किया है।

अपने संबोधन में अमित शाह ने कहा कि आज दिल्ली 2025 विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के संकल्प पत्र का अंतिम हिस्सा जारी करने के लिए मैं आप सबके सामने उपस्थित हुआ हूं। जैसे कि भाजपा की परंपरा है, हम चुनाव को बहुत गंभीरता से लेते हैं, चुनाव को जनसंपर्क का माध्यम भी मानते हैं। और चुनावों के माध्यम से बनने वाली सरकारों के नीति निर्धारण को निश्चित करने के लिए हम जनता के बीच जाकर चुनाव में भाजपा से उनकी क्या अपेक्षा है, ये जानकारी भी एकत्र करते हैं।

अमित शाह ने कहा कि हमारी सरकार सत्ता में आती है तो दिल्ली में रेहड़ी-पटरी वालों को हमारी सरकार आर्थिक मदद देगी। इसके अलावा 1700 अनाधिकृत कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को मालिकाना हक देंगे साथ ही निर्माण और बेचने का अधिकार दिया जाएगा।

संकल्प पत्र-3 में किए गए कौन-कौन से वायदे

यमुना रिवर फ्रंट का विकास करेंगे। -दिल्ली में पांच लाख रुपये तक का फ्री इलाज देंगे। आयुष्मान योजना का लाभ देंगे। युवाओं को 50 हजार सरकारी नौकरी देंगे। 13 हजार बसों को ई-बसों में बदलेंगे। दिल्ली की सील दुकानों को छह महीने के अंदर फिर से खुलवाएंगे। दुकानों को फ्री होल्ड करने का काम किया जाएगा।

गिग श्रमिकों के लिए 5 लाख दुर्घटना बीमा दिया जाएगा। इनके बच्चों को छात्रवृति दी जाएगी। श्रमिकों को टूलकिट के लिए 10 हजार की सहायता, पंजीकृत श्रमिकों को लोन और दुर्घटना बीमा। गृह मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा के लिए संकल्प पत्र विश्वास का सवाल होता है और करने वाले कामों की सूची होती है। ये कोरे वादे नहीं होते हैं। 2014 से नरेन्द्र मोदी जी ने देश के अंदर पॉलिटिक्स ऑफ परफॉर्मेंस को स्थापित किया है और भाजपा ने जितने भी चुनाव आए, उनमें जो वादे किए थे उन्हें पूरा करने का गंभीरता से प्रयास किया है।

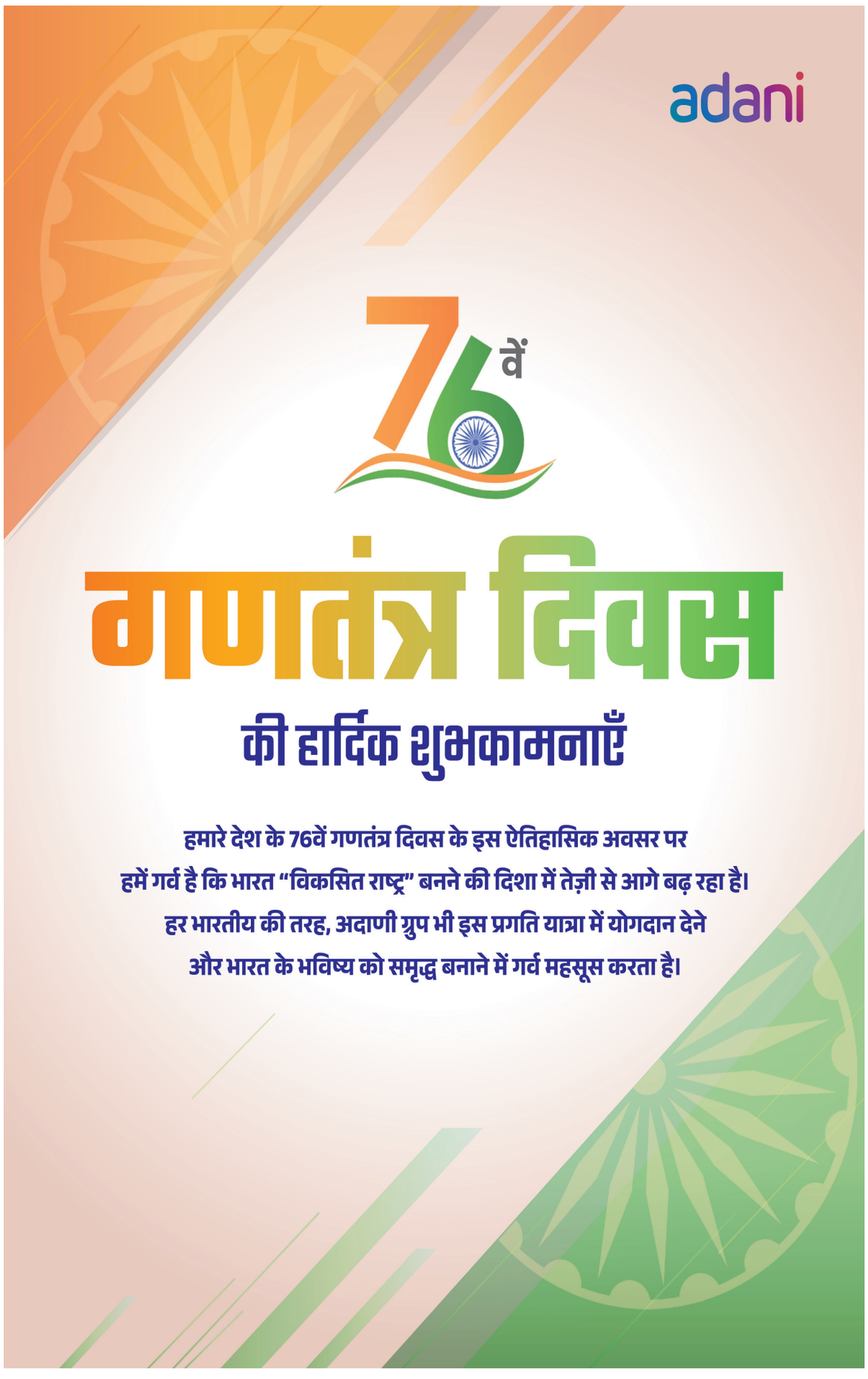

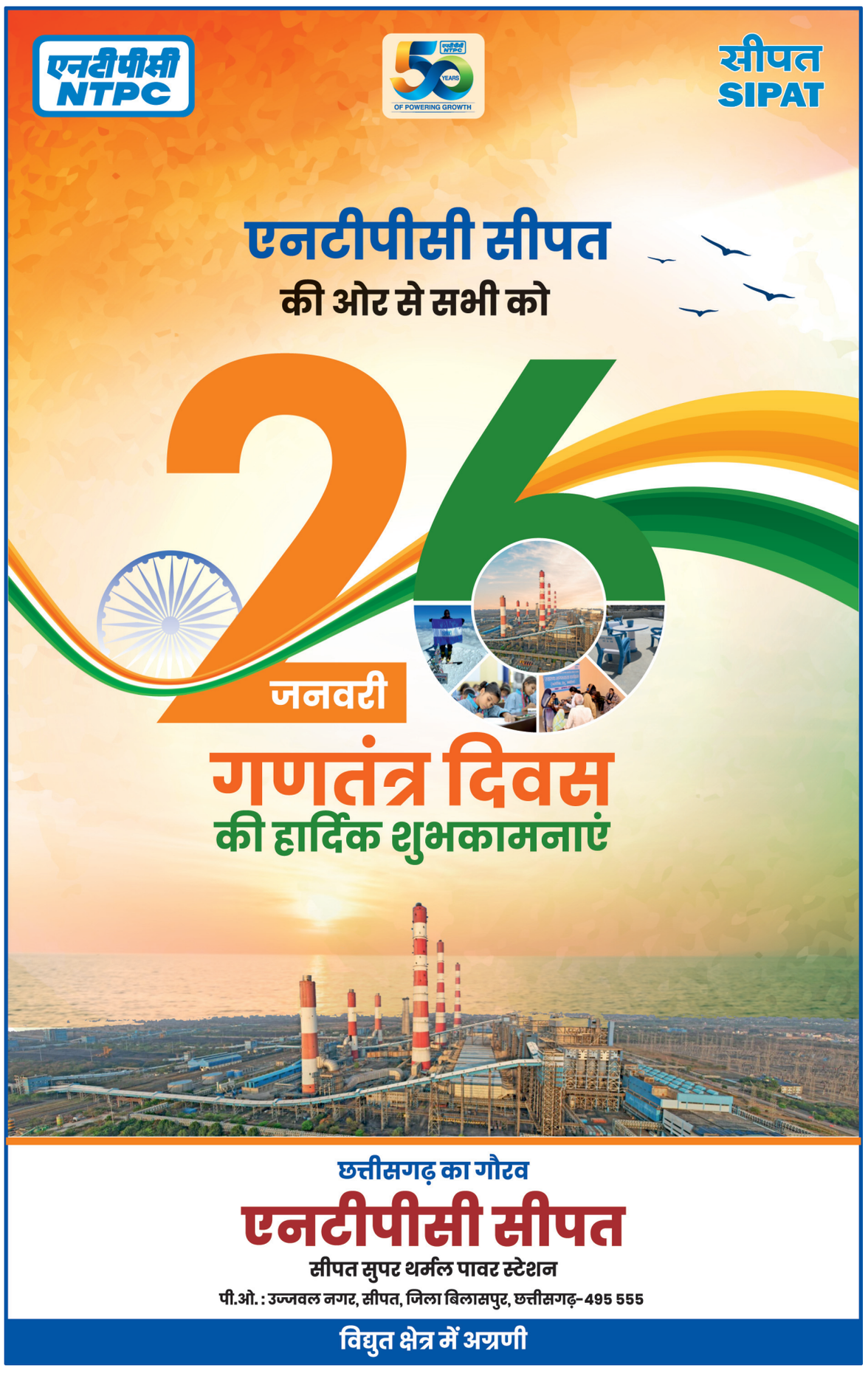

संक्षिप्त समाचार

गणतंत्र दिवस समारोह 2025 : गणतंत्र दिवस पर खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल करेंगे ध्वजारोहण

महासमुंद (समय दर्शन)। 76 वाँ गणतंत्र दिवस महासमुंद जिले में पूरे गरिमामय तरीक़े से मनाया जाएगा। जिला मुख्यालय के मिनी स्टेडियम में आयोजित होने वाले मुख्य समारोह में मुख्य अतिथि खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री दयाल दास बघेल गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) के अवसर पर सुबह 9:00 बजे ध्वजारोहण करेंगे। जारी कार्यक्रम के अनुसार मुख्य अतिथि बघेल का समारोह स्थल पर आगमन सुबह 8:58 बजे होगा। 9:00 बजे ध्वजारोहण एवं सलामी लेंगे। 9:03 बजे परेड का निरीक्षण करेंगे। 9:15 बजे से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का जनता के नाम प्रेषित संदेश का वाचन किया जाएगा। सुबह 9:30 बजे मार्च पास्ट, सुबह 9:50 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम, 10:30 बजे विभागीय झांकियों का प्रदर्शन, 10:45 बजे पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र वितरण और सुबह 11:00 बजे कार्यक्रम का समापन होगा।

शादी समारोह में दुल्हा दुल्हन ने दिया वन्य प्राणी संरक्षण के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बालोद (समय दर्शन)। जिले के पर्यावरण प्रेमी ग्रीन कमांडो विरेन्द्र सिंह के कार्यों से प्रेरित होकर भांजा जैनेन्द्र सिंह और वधू पुष्पा सिंह ने अपने विवाह में वन्य प्राणी संरक्षण और वृक्षारोपण पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया है। इस अवसर पर ग्रीन कमांडो विरेन्द्र सिंह ने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि लोग वन्य प्राणियों के प्रति जागरूक हों और उनके संरक्षण में अपना योगदान दें। हमें उम्मीद है कि इस अभियान के माध्यम से हम वन्य प्राणियों की संख्या में वृद्धि कर सकते हैं और उनके संरक्षण में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। वर जैनेन्द्र सिंह और वधू पुष्पा सिंह ने कहा कि इस अभियान में आम लोगों को भी सहयोग और समर्थन अवश्य होना चाहिए है। हम सभी मिलकर वन्य प्राणियों के संरक्षण में अपना योगदान देंगे तभी उनकी संख्या में वृद्धि करने में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर प्रदीप साहू, यशवंत कुमार टंडन राज्य स्तरीय पुरस्कृत श्रेष्ठ स्वयंसेवक राष्ट्रीय सेवा योजना चेतन सिन्हा, बिट्टू सिंह, डॉ जाना शैवाला , जनकलाल ठाकुर पूर्व विधायक अंजली चौहान छत्तीसगढ़ फिल्म अभिनेत्री, शिवांश सिंह, प्रकृति सिंह, डॉ शिब्या सिंह आदि उपस्थित थे।

खेती-किसानी से जुड़ा व्यवसाय करने बड़ौदा आरसेटी में नि: शुल्क प्रशिक्षण

ग्रामीण बेरोजगार युवाओं से 3 फरवरी तक आवेदन आमंत्रित

ब्यूरों सैय्यदा मुनीज़ा हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। धमतरी/ बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान धमतरी में कृषि उद्यमियों को 13 दिन का नि:शुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए 18 से 45 वर्ष तक की आयु के ग्रामीण बेरोजगार युवाओं से आगामी 3 फरवरी तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। संस्थान की निदेशक सुश्री अनिता टुडू ने बताया कि यह प्रशिक्षण आवासीय सुविधायुक्त होगा। इसके लिए 35 सीटें आरक्षित हैं। प्रशिक्षण में शामिल होने के लिए शैक्षणिक प्रमाण पत्र, राशनकार्ड, परिचय पत्र की फोटो और चार पासपोर्ट साईज के फोटो के आवेदन कम्पोजिट भवन के पीछे स्थित बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान में जमा किया जा सकता है। प्रशिक्षण के बाद बैंक द्वारा ऋण सुविधा के लिए परामर्श भी दिया जाएगा। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए मोबाईल नंबर 73899-43193 और 88394-68509 पर सम्पर्क किया जा सकता है। गौरतलब है कि प्रशिक्षण के दौरान कृषि की नई परिदृश्य एवं गतिविधियां, भारत में मानसून पैटर्न एवं भारतीय कृषि पर प्रभाव, मिट्टी परीक्षण, वर्तमान खेती एवं जैविक खेती की तुलना, उर्वरक एवं जैविक खाद का उपयोग, लाभकारी कीड़ों एवं अन्य सूक्ष्म जीवों की भूमिका, उत्पादन में गुणवत्तापूर्ण बीजों की भूमिका इसका महत्व एवं अपनाई जाने वाली पद्धतियां, कुशल सिंचाई पद्धति, स्प्रिंकलर सिंचाई और ड्रिप सिंचाई, छोटे और सीमांत किसानों के लिए एकीकृत कृषि प्रणाली, क्षेत्र की प्रमुख फसलों के सामान्य कीड़े और बीमारियों से नियंत्रण, प्रमुख बागवानी फसलें, उच्च तकनीक कृषि में नवीनतम मशीनरी और उपकरणों का उपयोग, मछलीपालन, डेयरी फार्मिंग हेतु नस्ले, नस्लों का चयन, कृत्रिम गर्भाधान, डेयरी पशुओं का पोषण और आहार, चारा तैयार करना, अजोला चारा फसलों का उपयोग, भेड़ पालन, सुअर पालन, खरगोश पालन, मुर्गी पालन इत्यादि की जानकारी दी जाएगी।

सभी मतदाता मतदान के महत्व को समझें - जिला एवं सत्र न्यायाधीश

सशक्त और मजबूत राष्ट्र निर्माण में मतदाता की भूमिका महत्वपूर्ण - कलेक्टर

मतदान केवल एक अधिकार नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी - पुलिस अधीक्षक

15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर जिला स्तरीय समारोह का आयोजन

मुंगेली(समय दर्शन) 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर जिला कलेक्टोरेट स्थित जनदर्शन कक्ष में जिला स्तरीय समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश चंद्रकुमार अज़गल्ले, कलेक्टर राहुल देव, और पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल विशेष रूप से उपस्थित थे। समारोह में अतिथियों का स्वागत ''भारत भावी मतदाता'' बैज लगाकर किया गया। नए मतदाताओं को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया और मतदान के महत्व पर चर्चा की गई। जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कहा कि मतदान राष्ट्रहित के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभी नागरिकों को अपने मतदान अधिकार का विवेकपूर्ण और निर्भीक होकर उपयोग करना चाहिए। प्रशासनिक अधिकारियों के कठिन परिश्रम का उल्लेख करते हुए कहा कि अधिकारी दुर्गम इलाकों में पहुंचकर मतदान को सुनिश्चित करते हैं। यदि गलत प्रतिनिधि का चयन हुआ, तो 05 साल तक उसे बदलने का अवसर नहीं मिलता। उन्होंने मतदाताओं को इस बात को समझने की सलाह दी।

कलेक्टर ने कहा कि मतदान केवल अधिकार नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का आधार है, इसलिए सही प्रतिनिधि चुनने जाति, धर्म, वर्ग और समुदाय से ऊपर उठकर मतदान करें। उन्होंने महिलाओं के मतदान अधिकारों की विशेष चर्चा करते हुए कहा कि हमारे देश ने स्वतंत्रता के साथ ही महिलाओं को बराबरी का अधिकार दिया। कलेक्टर ने लोकसभा निर्वाचन के दौरान स्वीप अभियान की सफलता का उल्लेख किया और कहा कि जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रभाकर पाण्डेय को राज्य स्तर पर सम्मानित किया गया है। यह जिले के लिए गौरव की बात है। इसके साथ ही उन्होंने त्रिस्तरीय एवं नगरीय निकाय निर्वाचन में नागरिकों से शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने का अपील किया।

पुलिस अधीक्षक ने मतदान को एक जिम्मेदारी और राष्ट्र निर्माण का आधार बताया। उन्होंने विदेशों में बसे भारतीयों का उदाहरण देते हुए मतदान के प्रति जागरूकता पर जोर दिया और युवाओं को मतदान में सक्रिय भूमिका निभाने और अन्य लोगों को प्रेरित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में नए मतदाताओं को अपने प्रथम मतदान अनुभव को यादगार बनाने की बात कही गई। मतदान के महत्व को दर्शाती रंगोली आकर्षण का केंद्र बनी। व्याख्याता आर.के. वैष्णव ने प्रेरणादायक गीत ''नीले गगन के तले'' प्रस्तुत किया।

07 जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर और 03 बीएलओ को किया गया सम्मानित- निर्वाचन कार्य में उत्कृष्ट कार्य के लिए 07 जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर और 03 बीएलओ को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इनमें डॉ. आई.पी. यादव, के. अहमद, जे.एस. ध्रुव, आर.के. सोनी, संजय सोनी, मोहन उपाध्याय, चंद्रशेखर उपाध्याय और बीएलओ श्यामलता जनार्दन, श्वेता श्रीवास्तव व भुनेश्वरी वर्मा शामिल है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती मेनका प्रधान ने सभी उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया। समारोह में संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

मतदाताओं को दिलाया गया शपथ- जिला स्तरीय मतदाता दिवस समारोह के दौरान उपस्थित मतदाताओं को देश की लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादा को बनाए रखने तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए शपथ दिलाया गया।

नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2025 : निर्वाचन हेतु दी गई जिम्मेदारियों का गंभीरतापूर्वक निर्वहन करें - कलेक्टर

मुंगेली (समय दर्शन) जिले में स्वतंत्र और निष्पक्ष त्रिस्तरीय पंचायत एवं नगरीय निकाय निर्वाचन के लिए कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी राहुल देव तथा पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने शुक्रवार को जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में नोडल, सहायक नोडल अधिकारी, रिटर्निंग एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी, सेक्टर ऑफिसर और अन्य संबंधित अधिकारियों की बैठक ली। कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारियों को निर्वाचन के लिए जिम्मेदारी दी गई है, और उनका गंभीरता से निर्वहन किया जाना चाहिए। उन्होंने मतदान केंद्र की तैयारी, रूटचार्ट, मतपत्र, निर्वाचक नामावली, ईवीएम की व्यवस्था, सामग्री वितरण एवं वापसी, बैरिकेडिंग, सुरक्षा व्यवस्था, मतदान दलों का प्रशिक्षण, वेयरहाउस और स्ट्रांग रूम की व्यवस्था जैसे विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की।

कलेक्टर ने सभी सेक्टर अधिकारियों को मतदान केन्द्रों का भ्रमण करने और मतदान दलों के गंतव्य स्थल तक पहुंचने और सकुशल वापसी के लिए मार्ग का सत्यापन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगरीय निकाय चुनाव में इस बार इव्हीएम (बैलेट यूनिट) का इस्तेमाल किया जाएगा, जिसमें अध्यक्ष और पार्षद के लिए अलग-अलग चुनाव चिन्ह होंगे। इस बार मतदाता अध्यक्ष एवं पार्षद दोनों पदों के लिए एक साथ दो मतदान करेंगे। इसके लिए सभी मतदाताओं को जागरूक करें। उन्होंने चुनाव की प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए राजनीतिक दलों व अभ्यर्थियों द्वारा खर्च किए जाने वाले सामाग्री का आकलन करने के निर्देश दिए, ताकि उसे अभ्यर्थी के व्यय में जोड़ा जा सके। साथ ही पेड न्यूज पर कड़ी निगरानी रखने रखने के लिए कहा।

पुलिस अधीक्षक ने कानून व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए अधिकारियों से समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मतदान केन्द्रों तक जाने वाले रूट का सत्यापन, मतदान केन्द्र भवन की भौतिक स्थिति जांचने, पेट्रोलिंग जारी रखने और असामाजिक तत्वों व चुनाव को प्रभावित करने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने चुनाव की तिथियों और निर्धारित स्थानों के बारे में जानकारी दी। नगरीय निकाय निर्वाचन के लिए नामांकन की प्रक्रिया 28 जनवरी तक, संविक्षा 29 जनवरी, अभ्यर्थिता वापस लेने की तिथि 31 जनवरी और मतदान 11 फरवरी को होगा। इसी तरह त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन में मतदान तीन चरणों में 17, 20 व 23 फरवरी को संपन्न होगा, जिसमें नाम निर्देशन 27 जनवरी से 03 फरवरी तक, संवीक्षा 04 फरवरी और अभ्यर्थिता वापस लेने की तिथि 06 फरवरी होगी। इस बैठक में अपर कलेक्टर गिरधारी लाल यादव, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती मेनका प्रधान, एसडीएम मुंगेली श्रीमती पार्वती पटेल, एसडीएम पथरिया भरोसा राम ठाकुर, एसडीएम लोरमी अजीत पुजारी और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2025 : नाम निर्देशन हेतु आरओ एवं एआरओ को दिया गया प्रशिक्षण

मुंगेली (समय दर्शन) जिले में स्वतंत्र और निष्पक्ष त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन के लिए कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी राहुल देव के मार्गदर्शन में आरओ एवं एआरओ को जिला कलेक्टोरेट स्थित जनदर्शन कक्ष में नाम निर्देशन हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया गया। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती मेनका प्रधान ने कहा कि नाम निर्देशन हेतु सभी अधिकारियों को जो जिम्मेदारी दी गई है, उनका गंभीरता से निर्वहन किया जाना चाहिए। इसमें किसी भी प्रकार की त्रुटि नहीं होनी चाहिए। उन्होंने देश की लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादा को बनाए रखने तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन के लिए सभी आरओ एवं एआरओ को शपथ दिलाई।

जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर संजय सोनी एवं चन्द्रशेखर उपाध्याय ने विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन में मतदान तीन चरणों में 17, 20 व 23 फरवरी को संपन्न होगा, जिसमें नाम निर्देशन 27 जनवरी से 03 फरवरी तक, संवीक्षा 04 फरवरी और अभ्यर्थिता वापस लेने की तिथि 06 फरवरी होगी। इस अवसर पर आरओ एवं एआरओ एवं संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

कोचिंग पर अब संभाग आयुक्त हुए सख्त, जारी होगा निर्देश

बिलासपुर (समय दर्शन)। बिलासपुर में कोचिंग संस्थानों की मनमानी और कुछ ख्याति प्राप्त स्कूलों में डमी एडमिशन पर एक विस्तृत शिकायत संभाग आयुक्त को की गई। आयुक्त ने विषय की गंभीरता और शैक्षणिक वर्ष की प्रारंभ होने की स्थिति को देखते हुए इसकी रोकथाम नियमों के पालन पर संबंधित अधिकारियों को कार्यवाही के लिए आदेश दिए।

बिलासपुर सहित आसपास के कोचिंग द्वारा नियमों का पालन नहीं करने, भ्रामक विज्ञापन, फैकल्टी की जानकारी नहीं देने, डमी एडमिशन का जुगाड़ करने संबंधी समाचार हमने लगातार प्रकाशित किए हैं और शैक्षणिक

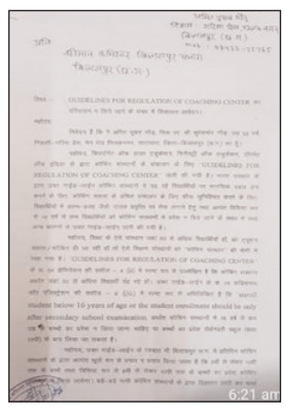

क्षेत्र के दिग्गज हमारी बातों से मुक सहमति भी रखते हैं। स्कूल कोचिंग यहां तक की नर्सिंग कॉलेज, निजी कॉलेज और निजी विद्यालयों में जिस तरीके की मनमर्जी लगातार बढ़ रही है।

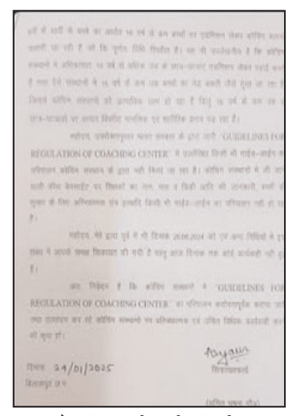

वह शैक्षणिक क्षेत्र में गिरते साख की ओर इशारा करती है। छात्र को उसके पालक को पैसा उगलने वाली मशीन समझा जाता है और डिग्रियों का व्यापार किया जाता है।

छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय ग्रामीण कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन ग्राम रोहिना में 26 जनवरी से प्रारम्भ

शंकर लहरे / सरायपाली (समय दर्शन)। युवा आजाद समिति रोहिना द्वारा गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर आयोजित 38 वें वर्ष का छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय ग्रामीण कबड्डी प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह 26 जनवरी,दोपहर 2 बजे सम्पन्न होगा। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ श्रीमती कल्पना बरिहा,संचालक कल्पना नर्सिंग होम कर्राभौना होंगे। अध्यक्षता श्रीमती ललिता मेहेर एस डी ओ पी सरायपाली,विशिष्ट अतिथि सी के विशाल जी प्रबंधकजिला सहकारी बैंक भंवरपुर, सादराम अजय शिक्षक,अजय जायसवाल प्राचार्य हाईस्कूल रोहिना,सीताराम चौधरी प्रबंधक रोहिना,तुलाराम चौहान प्रबंधक लम्बर,बनितराम सिदार अध्यक्ष धान खरीदी केंद्र रोहिना होंगे।

समापन समारोह 27 जनवरी रात्रि 8 बजे होगा,जिसके मुख्य अतिथि संपत अग्रवाल विधायक बसना,अध्यक्षता श्रीमती सरला केसरिया,सदस्य छत्तीसगढ़ महिला आयोग,विशिष्ट अतिथि दण्डधर साव अध्यक्ष भाजपा मंडल केजुवां,राजकुमार पटेल अध्यक्ष क्षेत्रीय खेल विकास समिति सरायपाली,हेमकुमार गड़तिया रेलवे पुलिस चरौदा,युगलकिशोर प्रधान समाज सेवक,ठण्डाराम बरिहा सचिव लोहड़ीपुर,घसिया सिदार सरपंच लोहरिनडीपा होंगे।

कबड्डी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 21001 रुपये व ट्रॉफी, द्वितीय 11001 रुपये व ट्राफी,तृतीय 7001 रुपये व ट्राफी,चतुर्थ 5001 रुपये व ट्राफी,रखा गया है।5वां,6वां,7वां,8वां पुरस्कार1000 रुपये,साथ ही बेस्ट आलराउंडर, बेस्ट रेडर ,बेस्ट केचर,मेन ऑफ द मैच का विशेष आकर्षक पुरस्कार रखा गया है।

इस वर्ष के प्रतियोगिता में ग्रामीण प्रतिभा को निखारने के लिए एक नियम में परिवर्तन किया गया है ,जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य के किसी भी ग्राम पंचायत के खिलाड़ी एक टीम का हिस्सा होंगे।

युवा आजाद समिति रोहिना के संरक्षक व राष्ट्रीय एम्पायर कबड्डी केशव सेठ,अध्यक्ष लोचन प्रसाद साहू,सचिव मनोज साहू,कोषाध्यक्ष दामोदर साहू,संयोजक नरहरि साहू,सलाहकार क्षमानिधि साहू -अजय सिदार,उपाध्यक्ष भीष्मदेव टेकाम,श सचिव शत्रुघन गोरियर,सह-सचिव अवधेश साहू,क्रीड़ा सचिव सुमित साहू-सुनील यादव, प्रवक्ता महेन्द्र साहू-त्रिलोकेश सेठ,मीडिया प्रभारी गजपति साहू,जदुमणि साहू ,अक्षय सिदार राष्ट्रीय एम्पायर व सदस्यों ने कबड्डी के खिलाड़ियों व खेलप्रेमियों को अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर खेल प्रतियोगिता में सहभागिता निभाने की अपील की है। कबड्डी प्रतियोगिता में शामिल होने व एंट्री के लिए खिलाड़ी मोबाइल नम्बर : 9977264655,9009536440, 8085969925 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

विकास विश्वास सुरक्षा

गणतंत्र दिवस के पावन पर्व पर

समस्त क्षेत्रवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

संदेश

1. देश की रक्षा के लिए पुलिस का सहयोग करें तथा कानून का पालन करें।
2. अपराधिक, असामाजिक एवं अलोकतांत्रिक लोगों के बहकावे में आकर अपना जीवन बर्बाद न करें।
3. माओवादी हिंसा त्याग कर आत्मसमर्पण कर समाज के मुख्यधारा में शामिल होकर क्षेत्र एवं राज्य के विकास में भागीदार बनें।

माओवादियों से अपील

हिंसा त्याग कर आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्यधारा में शामिल हो और शासन के पुनर्वास योजना के तहत् नौकरी, घर एवं खुशहाल पारिवारिक जीवन का लाभ लें।

क्र.	धारित पद	छत्तीसगढ़ शासन द्वारा माओवादियो पर घोषित ईनाम राशि
1.	DKSZC सदस्य	25 लाख रूपये
2.	मिलेट्री कपनी कमाण्डर	10 लाख रूपये
3.	मिलेट्री प्लाटून कमाण्डर/डिप्टी कमाण्डर/सदस्य/एरिया कमेटी सचिव/ एक्शन कमाण्डर/टेकनिकल टीम प्रभारी	08 लाख रूपये
4.	एल.जी.एस. कमाण्डर/एल.ओ.एस. कमाण्डर	05 लाख रूपय
5.	एल.जी.एस. डिप्टी कमाण्डर/एल.ओ.एस.डिप्टी कमाण्डर/सेक्शन डिप्टी कमाण्डर	03 लाख रूपये
6.	मेडिकल टीम प्रभारी/ एक्शन टीम सदस्य	02 लाख रूपये
7.	एल.जी.एस. सदस्य/एल.ओ.एस. सदस्य/जनमिलिशिया कमाण्डर/ डीकेएमएस अध्यक्ष/केएमएस अध्यक्ष/सीएनएम अध्यक्ष	01 लाख रूपये
8.	प्रोत्साहन राशि	25 हजार रूपये

विनीत : जिला पुलिस बल दक्षिण बस्तर, दन्तेवाड़ा (छ0ग0)

बी.टी.ओ.ए. की और से समस्त जिलेवासियों को

गणतंत्र दिवस

की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

बैलाडीला ट्रक ओनर्स एसोसिएशन

विनीत : समस्त पदाधिकारी एवं सदस्यगण

क्षेत्रवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

मीना मंडावी
ग्राम पंचायत कोड़ेनार

क्षेत्रवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

K. A. PAPPACHAN
Managing Director

JOVINS PAPPACHAN
Director

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

समस्त क्षेत्रवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

विनीत : पीडब्ल्यूडी विभाग दंतेवाड़ा

गणतंत्र दिवस

की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

: सौजन्य :
जिला शिक्षाधिकारी एवं जिला मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा
जिला : द.ब दंतेवाड़ा (छ.ग)

समस्त क्षेत्रवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

सौजन्य - जमील खान
कंस्ट्रक्शन, किरंदुल

संपादकीय

महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर लगाम कैसे

भारत के शीर्ष तीन शहरों में बेंगलूरु को महिलाओं के लिए सामाजिक व औद्योगिक समावेश में उत्कृष्टता प्राप्त करने वाला माना गया है। तमिलनाडु के आठ शहरों को इस सूची में स्थान प्राप्त हुआ, जिसमें कामकाजी महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित, समावेशी शहरों में दूसरे नंबर में राज्य की राजधानी चेन्नई है। जो बीते साल के सर्वेक्षण में पहले पायदान पर थी। लिंग समावेशी क्षेत्र के तौर पर 25 में से 16 शहर दक्षिण भारत के हैं। यह सर्वेक्षण महिलाओं के कामकाज, उनकी रहने की जगहों, आगे बढने् के तरीकों के आधार पर किया गया। कोयंबटूर, तिरुचिरापल्ली, वेल्लोर, मदुरै, सेलम, इरोड, तिरुप्पुर भी इस सूची में शामिल हैं। देश में महिलाओं के लिए शीर्ष शहरों के सूचकांक, आदर्श शहरों व सवरेत्तम चलन की पहचान करता है। महिलाओं की प्रगति और उन्हें आग बढने् के मार्ग प्रशस्त करने में शहरों के मूल सिद्धांतों व सांस्कृतिक ताने-बाने की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। मुख्मंत्री एमके स्टालिन का दावा है कि भारत की औद्यौगिक महिला कार्यबल का चालीस प्रतिशत हिस्सा तमिलनाडु से आता है। देश में महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों पर लगाम कसने में बुरी तरह असफल सरकारों के लिए इस तरह के अध्ययन फौरी तौर पर राहत दे सकते हैं। मगर हकीकत यही है कि देश भर में प्रतिवर्ष तकरीबन चार लाख से अधिक मामले महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों के दर्ज होते हैं। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार हर पंद्रहवें मिनट में बलात्कार की घटना दर्ज होती है, जिसमें राजस्थान शीर्ष पर है, उप्र-मप्र क्रमशः दूसरे-तीसरे स्थान पर हैं। कामकाजी महिलाओं के खिलाफ कार्यस्थल पर होने वाले शोषण के खिलाफ कानून लागू होने के बावजूद सुरक्षित वातावरण मिलना बेहद दुष्कर है। हालांकि उक्त सर्वेक्षण में अध्ययन के लिए चुने गए शहरों के परिवेश व सांस्कृतिक महत्त्व को भी देखा जाना जरूरी है। क्योंकि दक्षिण के राज्यों में उत्तर की बनिस्पत शिक्षा अधिक है और लैंगिक विषमता भी कम है। असल सवाल यह होना चाहिए कि महिलाओं के लिए सुरक्षित शहरों के तौर-तरीकों को अन्य राज्य सरकारें भी अपनाने का प्रयास करें। इससे महिला कार्य-बल की क्षमता भी बढ़ सकती है, वे उत्कृष्टतापूर्ण नतीजे देने में सफल होंगी, जो राष्ट्र की उन्नति व समृद्धि में महती भूमिका निभा सकता है।

जैव विविधता का महत्वपूर्ण हिस्सा पेंगुइन

योगेश कुमार गोयल

पेंगुइन ऐसा खूबसूरत पक्षी है जो पंखों के बावजूद उड़ नहीं पाता लेकिन पानी में बेहद तेज तैराक होता है। माना जाता है कि पेंगुइनों ने लाखों वर्ष पहले उडने् की क्षमता खो दी थी। शक्तिशाली फ्लिपर्स और सुव्यवस्थित शरीर उन्हें बहुत अच्छा तैराक बनाते हैं। यह सबसे तेज तैरने और सबसे गहरा गोता लगाने वाली पक्षी प्रजाति है। वर्तमान में जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण तथा मानव गतिविधियों के कारण इस खूबसूरत पक्षी की कई प्रजातियां भी संकटग्रस्त हैं। दुनिया भर में पेंगुइन की कुल 18 प्रजातियां पाई जाती हैं, जो स्फेनिस्कीनाई उप-परिवार के अंतर्गत आती हैं। इनमें %एडेली पेंगुइन', %दक्षिणी रॉकहॉपर पेंगुइन' और %मैकरोनी पेंगुइन' प्रमुख रूप से शामिल हैं। पेंगुइन की 18 प्रजातियों में से 11 प्रजातियां अब संकटग्रस्त अथवा विलुप्तप्रायः की श्रेणी में आती हैं। पेंगुइन की आबादी प्रति वर्ष खतरनाक दर से घट रही है, और दुनिया के अधिकांश लोग इस बात से इसीलिए अनजान हैं क्योंकि उन्हें अपने प्राकृतिक आवास में पेंगुइन देखने को नहीं मिलते। पेंगुइन की 72 प्रतिशत प्रजातियों की आबादी घट रही है, और 5 प्रजातियां लुप्तप्राय मानी जाती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि बेहतर सुरक्षा और संरक्षण उपायों को लागू नहीं किया गया तो इन प्रजातियों के विलुप्त होने का खतरा है। आईयूसीएन ने पेंगुइन की अनेक प्रजातियों को संकटग्रस्त की श्रेणी में सूचीबद्ध किया है। यही कारण है कि पेंगुइन की सुरक्षा के लिए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय और स्थानीय संगठन प्रयासरत हैं, और 2000 से प्रति वर्ष 20 जनवरी को %पेंगुइन जागरूकता दिवस' भी मनाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य पेंगुइन के संरक्षण और उनके आवासों की सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यह दिवस पेंगुइन संरक्षण को बढ़ावा देने के प्रयास में पेंगुइन के आवासों की सुरक्षा पर जोर देता है। जलवायु परिवर्तन के चलते बर्फ की चादर पिघलने और समुद्री तापमान में वृद्धि होने के कारण पेंगुइन के प्रजनन स्थल और भोजन के स्रोत प्रभावित हो रहे हैं। विषाक्त प्लास्टिक, मछली पकडने्, तेल रिसाव, आवास विनाश और पर्यटन जैसी तेजी से बढ़तीं मानवीय गतिविधियों के कारण भी पेंगुइन के आवासों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। समुद्र में %लेर्पड सील' और ऑर्का जैसे शिकारी भी पेंगुइन के लिए खतरा बनते हैं। पेंगुइन अपने बच्चों को अंटार्कटिका की बर्फ पर पालते हैं, लेकिन जलवायु परिवर्तन के कारण वे खतरे में हैं। अमेरिका में %सेंटर फॉर बायोलॉजिकल डायर्वसटि' के जलवायु विज्ञान निदेशक शाय वुल्फ का कहना है कि पेंगुइन का अस्तित्व इस पर निर्भर करता है कि जलवायु परिवर्तन के खिलाफ सरकार क्या ठोस कदम उठाती है। अमेरिकी सरकार का मानना है कि जलवायु परिवर्तन इन पक्षियों के असफल प्रजनन का बड़ा कारण बन रहा है। वेडेल सागर में हैलीबे कॉलोनी दुनिया में एम्परर पेंगुइन की दूसरी सबसे बड़ी कॉलोनी है। इस कॉलोनी ने कई वर्षों तक समुद्री बर्फ की खराब स्थिति का सामना किया है। ऐसे में 2016 में सभी नवजात चूजे डूब गए थे, जिससे इनकी कॉलोनी को बहुत नुकसान हुआ था। इसीलिए अमेरिकी सरकार चेतावनी दे चुकी है कि एम्परर पेंगुइन को %अज्रेट क्लाइमेट एक्शन' की सख्त जरूरत है। हालांकि %वाइल्ड लाइफ एजेंसी' का कहना है कि पिछले 40 वर्षों के उपग्रह डेटा और अन्य सबूतों की जांच से सामने आया है कि पेंगुइन पर फिलहाल विलुप्त होने का तो खतरा नहीं है, लेकिन यदि तापमान इसी तरह बढ़ता रहा तो वह दिन भी दूर नहीं है। %वाइल्ड लाइफ एजेंसी' द्वारा इस पक्षी को पर्यावरण समूह, सेंटर फॉर बायोलॉजिकल डायर्वसटि द्वारा 2011 में लगाई गई एक याचिका की मदद लेकर %ए डेंर्जड स्पीशीज एक्ट' के तहत रखा गया है। बहरहाल, बढ़ते तापमान के कारण समुद्री बर्फ पिघल रही है, जिससे पेंगुइन की प्रजनन और भोजन खोजने की क्षमता प्रभावित हो रही है। समुद्रों में प्लास्टिक और अन्य प्रदूषण पेंगुइन के लिए बड़ा खतरा बन रहे हैं।

स्वर्णिम भारत का पर्याय है सांस्कृतिक विरासत

डॉ. शंकर सुवन सिंह

भारत में वर्ष 2025 में 76 वाँ गणतंत्र दिवस मनाया जा रहा है। संविधान लागू हुए 75 वर्ष पूरे हो गए। गणतंत्र दिवस 2025 की थीम/प्रसंग है- 卐स्वर्णिम भारत-विरासत और विकास卐। गणतंत्र दिवस 2025 के मुख्य अतिथि के तौर पर इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो को चुना गया। भारतीय संविधान की प्रस्तावना को 13 दिसंबर 1946 को जवाहरलाल नेहरू द्वारा संविधान सभा में पेश किया गया था। इसे 22 जनवरी 1947 को स्वीकार किया गया था। 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा भारतीय संविधान को अपनाया गया। आजादी के बाद देश को चलाने के लिए डॉ भीमराव अम्बेडकर के नेतृत्व में हमारे देश का संविधान लिखा गया। जिसे लिखने में पूरे 2 वर्ष 11 महीने और 18 दिन लगे। 26 जनवरी 1950 में भारतीय संविधान को लागू किये जाने के उपलक्ष्य में प्रत्येक वर्ष 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। गणतंत्र दिवस की पहली परेड 1955 ई. को दिल्ली के राजपथ पर हुई थी। गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति तिरंगा फहराते हैं और हर साल 21 तोपों की सलामी दी जाती है। गणतंत्र दो शब्दों से मिलकर बना है। गण और तंत्र। वैदिक काल में गण का शाब्दिक अर्थ था दल/समूह/लोक। तंत्र का शाब्दिक अर्थ होता है डोरा/सूत (रस्सी)। अर्थात ऐसी रस्सी/डोरा, जो लोगों के समूह को जोड़े। लोकतंत्र कहलाता है और यही गणतंत्र है। अतएव हम कह सकते हैं कि गणतंत्र दिवस भारतीय संविधान को लागू किये जाने का द्योतक है। संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और अखंडता शब्द बाद में भारत की भूतपूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी द्वारा भारतीय आपातकाल के दौरान जोड़े गए थे। भारत में आपातकाल (25 जून 1975 - 21 मार्च 1977) के दौरान, इंदिरा गांधी सरकार ने संविधान के बयालीसवें संशोधन में कई बदलाव किए थे। इसी संशोधन के ज़रिए समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्दों को संप्रभु और लोकतांत्रिक शब्दों के बीच जोड़ा गया और राष्ट्र की एकता शब्दों को राष्ट्र की एकता और अखंडता में बदल दिया गया। भारत एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न समाजवादी धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक देश है। अतएव भारत में सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक दृष्टि से स्वावलम्बन, स्वाभिमानता और समानता परिलक्षित होती है।

स्वावलम्बिता, स्वाभिमानिता और समानता के मूल में स्वाधीनता वास करती है। अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता, विचारों की स्वतन्त्रता, विश्वास की स्वतन्त्रता, आस्था और पूजा की स्वतन्त्रता स्वतंत्र भारत की पहचान है। अतएव हम कह सकते हैं कि अक्षुण्ण विरासत और विकास की सेतु पर खड़ा सविधान ही भारतीय गणतंत्र व्यवस्था की पहचान है। आत्मविश्वास का होना ही आपको आत्मनिर्भर बनाता है। भगवद गीता में लिखा है नायं आत्मा बलहीनेन लभ्यः अर्थात यह आत्मा बलहीनो को नहीं प्राप्त होती है। आत्मबल ही आत्मविश्वास की जननी है। आत्मबल और आत्मनिर्भर शब्द एक दूसरे के पूरक हैं। आत्मनिर्भरता, स्वावलम्बी होने को दर्शाता है। स्वावलम्बन जीवन की सफलता की पहली सीढ़ी है। सफलता प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को स्वावलम्बी अवश्य होना चाहिए। रामराज्य की परिकल्पना मोहनदास करमचंद गांधी की दी हुई थी। गांधीजी ने भारत में अंग्रेजी हुकूमत से मुक्ति के पश्चात ग्राम स्वराज के रूप में रामराज्य की कल्पना की थी। आत्मनिर्भरता, रामराज्य की परिकल्पना पर आधारित है। आत्मनिर्भर भारत की नींव गांधी के रामराज्य पर टिकी थी। गाँधी जी का स्वराज्य, रामराज्य की परिकल्पना का आधार था। स्वराज का अर्थ है जनप्रतिनिधियों द्वारा संचालित ऐसी व्यवस्था जो जन-आवश्यकताओं तथा जन-आकांक्षाओं के अनुरूप हो। यही स्वराज्य रामराज्य कहलाया। स्वराज का तात्पर्य स्वतंत्रता से है। बिना आत्मनिर्भर हुए स्वतंत्र नहीं हुआ जा सकता है। आत्मनिर्भरता या स्वावलम्बिता स्वतंत्र होने की एक कड़ी है। जब हम स्वतंत्र होंगे तभी हम स्वाभिमानी होंगे अर्थात स्वाभिमानिता के लिए स्वाधीनता जरुरी है। हिन्दुस्तान को गांधी का रामराज्य चाहिए। राम राज्य भगवान राम के पुरुषार्थ और शासन का द्योतक है। भगवान राम सहिष्णुता के प्रतीक थे। राम सत्य के प्रतीक थे। तभी तो भगवान् राम ने रामराज्य स्थापित किया था। आज आत्मनिर्भर भारत बनाने की बात हो रही है और वहीँ दूसरी ओर विदेशी कम्पनियाँ और विदेशी सामान की हिन्दुस्तान में बाढ़ आ गई है। प्रत्येक संस्था का निजीकरण होता जा रहा है। बेरोजगारी बढ़ रही है। आत्महत्याओं का ग्राफ बढ़ा है। यदि स्वावलम्बन, समानता और स्वाभिमान की बात करनी हो तो गांधी के रामराज्य की कल्पना करनी होगी। अतएव हम कह सकते हैं कि स्वतन्त्रता, गांधी के रामराज्य की परिकल्पना पर आधारित होनी चाहिए। सभी राजनैतिक पार्टियों को राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के विचारों को आत्मसात करने की जरुरत है। वास्तव में भारत तभी स्वावलम्बी और स्वाभिमानी बन पाएगा। भारत को रामराज्य की परिकल्पना अपने पूर्वजों या पुरखों से विरासत में मिली हैं। रामराज्य की परिकल्पना रूपी विरासत को संजोकर रखने की जरुरत है। अयोध्या का राम मंदिर अपनी सांस्कृतिक विरासत का अद्वितीय उदाहरण है। भगवान् राम की प्राण प्रतिष्ठा के साथ राम मंदिर को पुनर्जीवित करना ही अपनी विरासत को सम्हालने का एक अच्छा उदहारण है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इस पुण्य कार्य का श्रेय जाता है। किसी भी देश की विरासत उस देश के विकास की आधारशिला होती है। पुरखों से प्राप्त वस्तु, सम्पत्ति आदि को विरासत कहा जाता है। पूर्वजों द्वारा प्राप्त की गई वस्तु या संपत्ति आदि को ही विरासत कहा जाता है। विश्व में भारत अपने ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, और आर्थिक दृष्टिकोण से स्वर्णिम स्थान रखता है। भारत विविध धर्मों, जातियों, भाषाओं,और संस्कृतियों का देश रहा है। भारत में मुख्यतः निम्नलिखित विरासतें हैंः-1.सांस्कृतिक विरासत 2.प्राकृतिक विरासत 3. मिश्रित विरासत।

सांस्कृतिक विरासत दो प्रकार की होती है- मूर्त संस्कृति और अमूर्त संस्कृति। सांस्कृतिक विरासत में मूर्त संस्कृति जैसे इमारतें, स्मारक, परिदृश्य, अभिलेखीय सामग्री, किताबें, कला के कार्य और कलाकृतियाँ आदि आते हैं। अमूर्त संस्कृति जैसे लोकगीत, परंपराएँ, भाषा और ज्ञान) और प्राकृतिक विरासत (सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण परिदृश्य और जैव विविधता सहित) शामिल हैं। मिश्रित विरासत स्थलों में प्राकृतिक और सांस्कृतिक दोनों प्रकार के महत्त्वपूर्ण तत्त्व शामिल होते हैं। भारत में 43 यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन) विश्व धरोहर स्थल हैं, जिनमें सांस्कृतिक, प्राकृतिक और मिश्रित स्थान शामिल हैं। भारत में यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन) द्वारा अनुरक्षित मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में 15 अमूर्त सांस्कृतिक विरासत घटक शामिल हैं। इन धरोहर स्थलों से विदित होता है कि भारत ने विरासत में अपने पूर्वजों से और प्रकृति से स्वर्णिम धरोहर प्राप्त किये। भारत में रामायण (बाल्मीकि), महाभारत व भगवद गीता (वेद व्यास), मनु स्मृति (ऋषि मनु),अभिज्ञान शाकुंतलम (कालिदास), रामचरित मानस (तुलसीदास),आदि असंख्य ग्रंथों की रचना ऋषि मुनियों ने की। वेद, पुराण, उपनिषद और दर्शन आदि ये सभी भारतीय विरासत के अभिन्न अंग हैं। वेदों से ही चौथा वेद अथर्वेद आया। आज विश्व में आयुर्वेद चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में स्वर्णिम भारत की छवि को विश्व पटल पर रख चूका है। महर्षि पतंजलि द्वारा रचित योग दर्शन से ही आज विश्व प्रत्येक वर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाता है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भारत की ही देन है जिसकी वजह से 11 दिसंबर, 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित किया।

भारत ऋषि मुनियों और देवताओं की भूमि रही है जहां राजा हरिश्चंद्र (सतयुग), भगवान् राम (त्रेता युग), भगवान् कृष्ण (द्वापर युग) आए। श्रीमद्भागवत पुराण में भगवान के 22 अवतारों का वर्णन है, वहीं कुछ धर्मशास्त्रों में 24 अवतार भी बतलाए गए हैं, जिनमें से दशावतार (दस अवतार) प्रमुख हैं, गरुड़ पुराण में दशावतार का वर्णन है। वे हैं- मत्स्य, कूर्म, वराह, नरसिंह, वामन, परशुराम, राम, कृष्ण, बुद्ध और कल्कि अवतार। भगवान् के ये सारे अवतार भारत भूमि को स्वर्णिम बनाते है। इन ऋषि मुनियों और देवताओं से विरासत के रूप में प्राप्त संस्कार भारत की संस्कृति को विश्व में स्वर्णिम या अद्वितीय बनाते हैं। यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन) द्वारा वर्ष 2017 में कुम्भ मेला को अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की श्रेणी में शामिल कर लिया गया था। जो भारत के लिए अपूर्व गर्व का दिन था। वर्ष 2025 में प्रयागराज जिले में 144 वर्षों बाद लगा महाकुम्भ- 2025 (धार्मिक समागम), सांस्कृतिक विरासत का अद्वितीय स्रोत है। इस बार महाकुंभ मेला 13 जनवरी से उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिला में आयोजित किया गया, जो 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के दिन समाप्त होगा। प्रयाग में तीन नदियों का संगम है- गंगा, यमुना और सरस्वती। महाकुम्भ के मुख्य स्नान पर्व पर किया गया स्नानअत्यंत पुण्य फल की प्राप्ति देता है। कहते हैं इस समय किया गया स्नान मोक्ष दायनी होता है। महाकुम्भ के समय हिन्दू देवी देवता सभी किसी न किसी रूप में मिल जाते हैं। इस समय बड़े बड़े चमत्कारी साधू संत अपना प्रवास करते हैं। इनका आशीर्वाद मतलब देवताओं का आशीर्वाद होता है। महाकुंभ मेला हर 12 वर्षों में चार पवित्र स्थलोंः प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन, और नासिक में आयोजित होता है। यह मेला न केवल एक धार्मिक अनुष्ठान है, बल्कि यह एक सांस्कृतिक उत्सव भी है, जहां लाखों श्रद्धालु, साधु-संत, और पर्यटक एकत्रित होते हैं। महाकुंभ की जड़ें हिंदू धर्म के पौराणिक ग्रंथों में समुद्र मंथन से जुड़ी हैं। ऐसा माना जाता है कि अमृत कलश से अमृत की बूंदें इन चार स्थानों पर गिरीं, जिससे ये स्थान पवित्र हो गए।

किसी भी राष्ट्र के विकास में संस्कृति एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।किसी भी देश का विकास सांस्कृतिक विरासत के बिना संभव नहीं है। भारत की विरासत अक्षुण्ण है। इसको क्षीण नहीं किया जा सकता। भारत की विरासत ही उसके विकास की जननी है। अतएव हम कह सकते हैं कि अक्षुण्ण विरासत, स्वर्णिम भारत का प्रतिबिम्ब है।

जनतंत्र जनसेवा की आदर्श व्यवस्था है

डॉ. कृष्णगोपाल मिश्र

वर्तमान लोकतांत्रिक व्यवस्था के संदर्भ में अमेरिकन राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन को उद्धृत करते हुए कहा जाता है कि 'जनतंत्र जनता के लिए, जनता द्वारा, जनता का शासन है।' सिद्धान्ततः यह कथन आंशिक रुप से सत्य भी है क्योंकि इसमें जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधि जनता के लिए कल्याणकारी योजनाएं क्रियान्वित करते हैं। इस दृष्टि से समस्त शासन व्यवस्थाओं में यह व्यवस्था सर्वोत्तम भी है और इसीलिए स्वतंत्रता प्राप्ति के समय हमने इस व्यवस्था को चुना, किन्तु आज हमारे लोकतन्त्र में बढ़ती अविवेकपूर्ण एवं अनुत्तरदायित्व भरी कार्यशैली, जनमन में बढ़ता असंतोष जनित आक्रोश और यत्र-तत्र घटित अराजकतायुक्त दुर्घटनाएं विश्व के इस विशालतम लोकतन्त्र के समक्ष अनेक यक्षप्रश्न उपस्थित कर रही हैं। भारतीय गणतंत्र की इस 76 वें वर्षगाँठ पर इस संदर्भ में गंभीर और विस्तृत विमर्श अपेक्षित है।

सैद्धान्तिक रुप से जनतन्त्र में व्याख्यायित 'जनता' एक इकाई है। जनतन्त्र की उपर्युक्त लिंकन कृत परिभाषा से ध्वनित होता है कि एक इकाई के रुप में संगठित जनता सम्पूर्ण समाज में से सर्वसम्मति से सुयोग्य नेतृत्व का चयन कर जनकल्याण का पथ प्रशस्त करती है, किन्तु व्यावहारिक रुप से जनतन्त्र में प्रयुक्त जनता एक इकाई नहीं होती। वह अनेक विचारधाराओं, दलों और धर्म-क्षेत्र- जाति-भाषा- व्यवसाय आदि की संकीर्णताओं में बँधे छोटे-छोटे समूहों का समुच्चय होती है, जो मनुष्यता और राष्ट्रीयता की उदार एवं समावेशी हितग्राहिता को हाशिए पर डालकर सत्ता हथियाने की दलीय प्रतिबद्धता के प्रति दुराग्रह प्रकट करती है।

निजी निहित स्वार्थों के लिए सचेष्ट ये संकीर्ण समूह परस्पर कीचड़ उछालते हुए सत्ता के गलियारों में आधिपत्य के लिए निरन्तर संघर्ष करते हैं। इसलिए जनतंत्र में शासन 'जनता द्वारा जनता के लिए' न रहकर 'दल द्वारा दल के लिए' हो जाता है और इसी कारण जनता में असन्तोष और आक्रोश जन्म लेता है। जनतंत्र की उदार दृष्टि दलीय महत्त्वाकांक्षाओं की दलदल में धँसकर जनकल्याण से दूर चली जाती है। सत्ताधारी दल जनकल्याण के नाम पर प्रचारित योजनाओं के माध्यम से अपनी भावी चुनावी विजय की रूपरेखा रचता है; वोट-बैंक तैयार करता है और राष्ट्रीय-हितों के नाम पर दलीय-हितों के साधन में अपनी ऊर्जा नियोजित करता है। विपक्षीदल भी उचित-अनुचित का विचार किए बिना सत्ता हथियाने के लिए हर संभव कूट रचना रचते रहते हैं। भारतीय जनतंत्र की लगभग सात दशक लम्बी यात्रा इस बिडम्बना की साक्षी है। गत शताब्दी के आठवें दशक में घटित जनता पार्टी का उद्भव और पराभव इस तथ्य का ज्वलन्त प्रमाण है।

मनुष्य की प्रकृति सामन्तवादी है। वह शासन करना चाहता है। औरों को अपने अधीन अपने नियन्त्रण में रखना चाहता है। परिवार का मुखिया, संस्था का प्रमुख, संगठन का नेता- सब वर्चस्व चाहते हैं और इस वर्चस्व कामना में निहित 'राजस' भाव स्वयं के लिए एवं अपने जाति-वर्ग के लिए सुख-सुविधाएँ जुटाने का उद्यम करता है। राजतंत्र में राजा लोग अपने लिए, अपने राजपरिवार के लिए, अपने पक्ष के सामन्तों-सरदारों आदि के लिए सुख- सुविधाएं जुटाते थे और जनता के हितों की उपेक्षा करते थे, वर्तमान जनतंत्र में भी यही दुष्प्रवृत्ति दूर-दूर तक दिखाई देती है। भाई-भतीजावाद, वंशवाद, वोट बैंक सुदृढ़ करने की मानसिकता, जनता की गाढ़ी कमाई पर ऐश करने की ऐसी ही दुरभिलाषाओं के कारण आज हमारा जनतंत्र अपना वास्तविक अर्थ खोकर असंतोष और अराजकता की ओर अग्रसर हो रहा है।

संज्ञा बदल जाने से स्वभाव नहीं बदल जाता। इसी प्रकार सामन्ती मानसिकता भी जनतांत्रिक संज्ञा धारण करने से नहीं बदल सकती। अभावों और संकटों से जूझते ऋणग्रस्त देश के जनतांत्रिक ध्वजवाहक के वस्त्रों का पेरिस से धुलकर आना हमारी सामन्ती मानसिकता को मौन समर्थन देने की चूक थी। यदि अपने जनतांत्रिक नेतृत्व की इस सामन्ती प्रवृत्ति को हमने समय रहते समझ लिया होता तो हमारा जनतंत्र भ्रष्टाचार का शिकार न बनता। उसका स्वरूप अधिक लोकमंगलकारी होता। उसकी छवि अधिक उज्ज्वल होती। जनता सदा नेता का, प्रजा सदा राजा का अनुसरण करती है। रावण के राजा रहते राम से युद्धरत रहने वाले लंकावासी विभीषण के राजा बनते ही राम के शरणागत हो जाते हैं।

महात्मा गाँधी जब अपने दीवान परिवार की ऐश्वर्य और वैभवपूर्ण सुख-सुविधाओं को त्यागकर देश सेवा के लिए लंगोटी धारणकर आजादी की लड़ाई में उतरते हैं तो लाखों-करोड़ों भारतीय अपनी व्यक्तिगत सुविधाओं और पारिवारिक उत्तरदायित्वों की परवाह किए बिना उनके पीछे चलकर देशहित में हर संभव त्याग करते हैं किन्तु जब स्वतंत्र भारत का शीर्ष नेतृत्व विलासितापूर्ण जीवनशैली अपनाता है तो धीरे-धीरे हमारे नेता भी बड़ी संख्या में विलासी जीवन जीने के अभ्यस्त हो जाते हैं जिसकी परिणिति व्यापक भ्रष्टाचार के रूप में सामने आती है। सत्ता सेवा का नहीं व्यक्तिगत सुविधाएं संचित करने का साधन बनकर वोफोर्स, हवाला, चारा, व्यापम आदि असंख्य घोटालों का शिकार हो जाती है।

जनतंत्र जनसेवा की आदर्श व्यवस्था है। उसके सम्यक् संचालन के लिए अनुभवी, ईमानदार और ऐसे न्यायप्रिय निर्भीक नेतृत्व की आवश्यकता है जो समस्त संकीर्णताओं और दलीयस्वार्थों से ऊपर उठकर सम्पूर्ण समाज के लिए उचित निर्णय ले और जिसे सब स्वीकार करें, किन्तु विडम्बना यह है कि वर्तमान जनतांत्रिक व्यवस्था का आधार दलगत राजनीति है और दलगत राजनीति की कोख से जनमे नेतृत्व का सर्वस्वीकृत होना प्रायः असंभव है। तथापि अब यह नितान्त आवश्यक है कि हम वोट-बैंक और दलीय-स्वार्थों की ओछी कूटनीतियाँ छोड़कर 'सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय' की सच्ची राजनीति के प्रति प्रतिबद्ध हों अन्यथा 'सर्वोदय', 'अन्त्योदय' और 'सबका साथ, सबका विकास' जैसे नारे सार्थक न हो सकेंगे और भारतीय समाज में बढ़ती विषमताएं, विसंगतियाँ असंतोष और आक्रोश को उग्रकर लोकतन्त्र का मार्ग कंटकाकीर्ण कर देंगीं। समय रहते हमें और हमारे नेतृत्व को यह कटु यथार्थ समझ लेना चाहिए कि नेतृत्व की शुचिता पर ही जनतंत्र का निर्वाह संभव है।

षटतिला एकादशी के दिन भगवान विष्णु को किन चीजों का भोग लगाना चाहिए?

षटतिला एकादशी का व्रत सभी व्रतों में महत्वपूर्ण माना गया है। इस दिन काले तिल से संबंधित चीजों का भोग लगाना, और चढ़ाना बेहद शुभ माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि अगर किसी जातक के जीवन में कोई परेशानी आ रही है तो इस दिन श्रीहरि की पूजा करने से उत्तम परिणाम मिल सकते हैं और सौभाग्य में भी वृद्धि हो सकती है। अब ऐसे में षटतिला एकादशी के दिन भगवान विष्णु को किन चीजों का भोग लगाना शुभ माना जाता है।

भगवान विष्णु को लगाएं काले तिल के लड्डू का भोग

भगवान विष्णु को काले तिल के लड्डू का भोग लगाने का विशेष महत्व है। तिल को पवित्र और शुभ माना जाता है, और विशेष रूप से काले तिल का उपयोग संस्कृतियों में शुद्धिकरण और पाप नाश के रूप में होता है। काले तिल को दान करने और भगवान को भोग लगाने से पुण्य मिलता है और व्यक्ति के जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति होती है। काले तिल को भगवान विष्णु को अर्पित करने से व्यक्ति की समृद्धि और खुशहाली में वृद्धि होती है।

भगवान विष्णु को लगाएं गुड़ का भोग

ज्योतिष शास्त्र में गुड़ को सौभाग्यशाली माना गया है। ऐसा कहा जाता है कि भगवान विष्णु को गुड़ का भोग लगाने से व्यक्ति के जीवन में आने वाली सभी परेशानियां दूर हो सकती हैं और मनोकामनाएं पूरी हो जाती है। गुड़ को पुण्य प्राप्ति का एक महत्वपूर्ण मिष्ठान माना गया है। इसलिए भगवान विष्णु को गुड़ का भोग अवश्य लगाएं।

भगवान विष्णु को लगाएं पीले लड्डू का भोग

भगवान विष्णु को पीले मिठाई का भोग जरूर लगाएं। ऐसा कहा जाता है कि पीले मिठाई का भोग लगाने से व्यक्ति की मनोकामनाएं पूरी हो सकती है और सुख-समृद्धि की प्राप्ति हो सकती है। आप बूंदी के लड्डू या बेसन के लड्डू का भी भोग लगा सकते हैं। इससे शुभ परिणाम मिल सकते हैं। बता दें, विष्णु भगवान को भोग अर्पित करने से जीवन में चल रही समस्याओं का समाधान मिलता है। विशेषकर यदि कोई व्यक्ति किसी कठिनाई का सामना कर रहा हो, तो भगवान विष्णु के पास भोग अर्पित करने से उनके जीवन में सुधार हो सकता है।

कब है मौनी अमावस्या? पूजा मुहूर्त और महत्व

हिन्दू धर्म में 12 अमावस्या तिथियां पड़ती हैं। इन्हीं में से एक है माघ माह की अमावस्या जिसे मौनी अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है। मौनी अमावस्या को माघी अमावस्या भी कहते हैं। मान्यता है कि मौनी अमावस्या के दिन पवित्र नदी में स्नान और दान करने से जीवन के दुख दूर होते हैं और घर में खुशहाली बनी रहती है। इसके अलावा, देवी-देवताओं के साथ-साथ ग्रहों की भी कृपा होती है। इस बार की मौनी अमावस्या और भी अर्धिक खास है क्योंकि यह महाकुंभ के दौरान पड़ रही है और इस दिन शाही स्नान भी किया जाएगा।

मौनी अमावस्या 2025 कब है?

माघ माह की अमावस्या तिथि का आरंभ 28 जनवरी, दिन बुधवार को शाम 7 बजकर 35 मिनट पर होगा। वहीं, इसका समापन 29 जनवरी, दिन गुरुवार को शाम 6 बजकर 5 मिनट पर होगा। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, मौनी अमावस्या 29 जनवरी को मनाई जाएगी।

मौनी अमावस्या 2025 शुभ मुहूर्त

मौनी अमावस्या यानी कि 29 जनवरी के दिन सिद्धि योग का निर्माण हो रहा है। इस दिन सुबह ब्रह्म मुहूर्त से रात 9 बजकर 22 मिनट तक सिद्धि योग रहेगा। इसके बाद व्यतीपात योग लग जाएगा। इस दिन 5 योगों का निर्माण हो रहा है जो पूजा के लिए शुभ सिद्ध हो सकते हैं।

मौनी अमावस्या के दिन लाभ-उन्नति योग सुबह 7.11 मिनट से सुबह 8 .32 मिनट तक रहेगा।

फिर सुबह 8.32 मिनट से 9.53 मिनट तक अमृत-सर्वोत्तम योग रहेगा। शुभ-उत्तम योग सुबह 11.14 मिनट से दोपहर 12.34 मिनट तक है।

इस दिन दोपहर 3.16 मिनट से शाम 4.37 मिनट तक चर-सामान्य योग है। आखिर में शाम 4.37 मिनट से शाम 5.58 मिनट तक लाभ-उन्नति योग बन रहा है। स्नान दान के लिए ब्रह्म मुहूर्त सुबह 5.25 मिनट से 6.18 मिनट तक रहेगा।

मौनी अमावस्या 2025 महत्व

सनातन धर्म में मौनी अमावस्या का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन गंगा का जल अमृत के समान माना जाता है। मौनी अमावस्या के दिन गंगा स्नान करने से सभी पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस दिन लोग मौन व्रत भी रखते हैं।

मौनी अमावस्या के दिन पानी में क्या मिलाकर नहाएं?

इस बार मौनी अमावस्या के दिन घर पर नहाने के पानी में 3 वस्तुएं मिलाकर जरूर स्नान करें, इससे अनेकों लाभ प्राप्त होंगे। ऐसे में आइये जानते हैं कि पानी में क्या-क्या मिलाकर मौनी अमावस्या के दिन स्नान करना शुभ सिद्ध होगा।

स्नान के पानी में मिलाएं कपूर - कपूर का संबंध शुक्र ग्रह से माना गया है। ज्योतिष शास्त्र कहता है की अमावस्या तिथि पर पानी में कपूर मिलकर नहाने से सौंदर्य में वृद्धि होती है और राहु का दुष्प्रभाव भी नहीं पड़ता है। ऐसे में मौनी अमावस्या के दिन कपूर मिश्रित जल से अवश्य नहायें। इससे आपको चरम रोग में भी आराम मिल सकता है एवं राहु के कारण करियर या आर्थिक स्थिति में बढ़ रही परेशानियां भी नष्ट होंगी।

पानी में मिलाएं हल्दी- मौनी अमावस्या के दिन हल्दी को पानी में मिलाकर स्नान करने से जहां एक ओर बृहस्पति ग्रह कुंडली में मजबूत होते हैं तो वहीं, वैवाहिक जीवन में पसरे क्लेश से भी छुटकारा मिल जाता है। आगरा आपके प्रेम विवाह में दिक्कतें आ रही हैं या फिर रिश्ते की बात कहीं बन नहीं पा रही है तो ऐसे में हल्दी के पानी से मौनी अमावस्या के दिन स्नान अवश्य करें। इससे आपको लाभ पहुंचेगा।

स्नान के पानी में मिलाएं लौंग - लौंग का प्रतिनिधित्व शनि और बुध ग्रह करते हैं। जहां एक ओर लौंग के पानी से मौनी अमावस्या के दिन स्नान करने से शनिदेव की कृपा होती है और उनकी वक्री दृष्टि व्यक्ति पर से हट जाती है तो वहीं, बुध ग्रह की शुभता भी मिलती है और बुद्धि एवं भाग्य तेजमय बनते हैं। इसके अलावा, पानी में लौंग डालकर नहाने से बुरी नजर या नकारात्मक ऊर्जा भी नष्ट हो जाती है।

मौनी अमावस्या पर अमृत स्नान के दौरान न करें ये गलतियां पड़ सकता है बुरा असर

महाकुंभ 13 जनवरी से शुरू हुआ था और 26 फरवरी को इसका समापन होगा। जहां एक ओर अब तक 2 अमृत स्नान हो चुके हैं, पौष पूर्णिमा एवं मकर संक्रांति के दिन तो वहीं, अब अगला अमृत स्नान माघ अमावस्या यानी कि 29 जनवरी, बुधवार के दिन है।

माघ अमावस्या या मौनी अमावस्या के दिन अमृत स्नान करने का विशेष महत्व ज्योतिष शास्त्र में बताया जा रहा है। ज्योतिष गणना के आधार पर इस दिन कुछ दिव्य योगों का निर्माण हो रहा है जिसके कारण मौनी अमावस्या पर महाकुंभ में अमृत स्नान करने का अत्यधिक लाभ लोगों को प्राप्त होगा, लेकिन ज्योतिषाचार्य ने हमें बताया कि इस दिन अमृत स्नान के दौरान कुछ बातों का ख़ास ख्याल रखें और गलतियां करने से बचें नहीं तो बुरा प्रभाव जीवन पर पड़ सकता है।

मौनी अमावस्या के दिन महाकुंभ में अमृत स्नान के नियम

मौनी अमावस्या के दिन अमृत स्नान के दौरान पितरों का ध्यान करते हुए उनके नाम की एक डुबकी त्रिवेणी संगम में अवश्य लगाएं। ऐसा इसलिए क्योंकि अमावस्या तिथि पितरों के आधीन मानी गई है। ऐसे में इस दिन अमृत स्नान करते हुए अगर पितरों का ध्यान किया जाए और उनके नाम की डुबकी लगाई जाए तो इससे पितृ प्रसन्न होंगे और कृपा बरसाएंगे। मौनी अमावस्या के दिन अमृत स्नान के दौरान इस बात का ध्यान रखें की महाकुंभ में स्नान के बाद दान अवश्य करें। जरूरी नहीं की आप कोई बड़ा दान करें। अपनी क्षमता अनुसार ही दान करना चाहिए, बस श्रद्धा पूर्ण रूप से रखें। मौनी अमावस्या के दिन अमृत स्नान के बाद दान करने से घर में सुख-समृद्धि का आगमन होता है और आर्थिक स्थिति सुधरती है।

मौनी अमावस्या के दिन अमृत स्नान के दौरान मां गंगा के 3 प्रमुख मंत्र - ऊँ नमो गंगायै विश्वरुपिणी नारायणी नमो नमः, ऊँ पितृगणाय विद्महे जगत धारिणी धीमहि तन्नो पितृो प्रचोदयात। और गंगे च यमुने चैव गोदावरी सरस्वती। नर्मदे सिन्धु कावेरी जले अस्मिन् सन्निधिम् कुरु।। का जाप अवश्य करें। इससे पुण्यों में वृद्धि होगी और मां गंगा की कृपा मिलेगी। मौनी अमावस्या के दिन अमृत स्नान के दौरान गंगा में 3 वस्तुएं अवश्य प्रवाहित करें। तीन चार दाने काले तिल के मां गंगा के चरणों में स्नान के बाद भेंट करें। इसके अलावा, आटे के दीपक में कपूर जलाकर मां गंगा की आरती करें और फिर उसे जल में प्रवाहित कर दें। आखिरी वस्तु है पुष्प, सिर्फ एक गेंदे का फूल मां गंगा को अर्पित करने से कष्टों का नाश होगा।

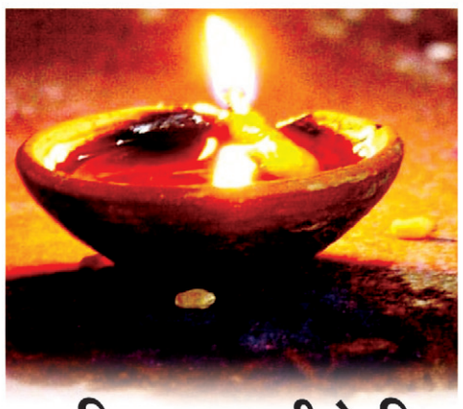

षटतिला एकादशी के दिन तिल के तेल का दीया जलाने से क्या होता है?

माघ माह के कृष्ण पक्ष की षटतिला एकादशी इस साल 25 जनवरी, दिन शनिवार को पड़ रही है। षटतिला एकादशी के दिन भगवान विष्णु की आराधना की जाती है और उन्हें तिल अर्पित किये जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस दिन भगवान विष्णु के समक्ष तिल के तेल का दीया जलाना चाहिए।

ज्योतिष शास्त्र में बताया गया है कि सफेद तिल सूर्य देव का प्रतिनिधित्व करते हैं और काले तिल शनिदेव का प्रतीक माने जाते हैं। ऐसे में षटतिला एकादशी के दिन तिल के तेल का दीया जलाने से सूर्य और शनि की स्थिति कुंडली में मजबूत होती है। व्यक्ति को दोनों ग्रहों की कृपा मिलती है। कुंडली में अगर शनि या सूर्य दोष के कारण जीवन में परेशानियां आ रही हैं तो वह दोष दूर होता है और समस्याओं में कमी आने लगती है। ऐसा माना जाता है कि षटतिला एकादशी के दिन तिल के तेल का दीया जलाने से साढ़े साती के दौरान मिलने वाला कष्ट धीर-धीरे समाप्त होता जाता है। सूर्य देव की कृपा से व्यक्ति को सफलता की प्राप्ति होती है। अगर किसी के जीवन में तरक्की रुक गई है और अनेकों प्रयासों के बाद भी तरक्की के मार्ग नहीं खुल रह हैं तो षटतिला एकादशी के दिन भगवान विष्णु के समक्ष सफेद तिल को घी में डालकर दीया जलाएं। कपूर के साथ भी जला सकते हैं।

सफेद या काले तिल का दीया या फिर दोनों को मिलाकर कपूर के साथ दीया जलाने से भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी का साथ में आशीर्वाद मिलता है और घर में सुख-समृद्धि स्थापित होने लगती है। घर में मौजूद नकारात्मक ऊर्जा नष्ट हो जाती है और सकारात्मकता का संचार शीघ्रता से बढ़ने लगता है। षट्तिला एकादशी के दिन भगवाना विष्णु की पूजा के बाद एक मिट्टी का दीया लें। उसमें 5 कपूर और एक मुट्ठी सफेद एवं काले तिल मिलाकर डालें। फिर उपर से थोड़ा घी डालें और फिर दीया प्रज्वलित करें। ध्यान रहे कि भगवान विष्णु के समक्ष सुबह दीया जलाना के साथ ही संध्या में भी जलाएं।

षटतिला एकादशी के दिन करें ये उपाय, बनी रहेगी सुख-शांति

षटतिला एकादशी पर तिल का दान विशेष रूप से लाभकारी माना जाता है। इससे शनिदेव की कृपा मिलती है और व्यक्ति की नौकरी, व्यवसाय एवं आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। ऐसे में षटतिला एकादशी के दिन काले तिलों का दान करें। साथ ही, यह उपाय कष्टों और पापों से मुक्ति दिलाने में मदद करता है।

षटतिला एकादशी के दिन सुबह उठकर स्नान करने के बाद भगवान विष्णु की पूजा से भी पहले सूर्य देव को जल अर्पित करें। जल में काले तिल अवश्य मिला लें। इससे भाग्य का साथ मिलता है, सौभाग्य में वृद्धि होती है और जीवन में सफलता में आ रही बाधाएं भी नष्ट होने लग जाती हैं। तरक्की के मार्ग खुलते हैं।

षटतिला एकादशी के दिन विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ अवश्य करें। इसके अलावा, घर के मंदिर में गेंदे के फूल को लाला कपड़े में बांधकर अगले दिन द्वादशी तक रखें फिर जल में फूल प्रवाहित कर दें। इससे घर में मौजूद पारिवारिक क्लेश दूर होगा और सदस्यों के बीच आपसी प्रेम एवं तालमेल में वृद्धि होगी।

षटतिला एकादशी के दिन काले तिल का क्या है ज्योतिष और धार्मिक महत्व?

सनातन धर्म में सभी एकादशी तिथि का विशेष महत्व है। जिसमें से एक षटतिला एकादशी है। इस दिन भगवान विष्णु का पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। ऐसा कहा जाता है कि अगर किसी व्यक्ति के जीवन में कोई समस्या आ रही है तो षटतिला एकादशी के दिन उपायों को करने से लाभ हो सकता है। आपको बता दें, षटतिला एकादशी के दिन काले तिल का भोग लगाना और भगवान विष्णु को काले तिल अर्पित करने का विशेष महत्व है। अब ऐसे में षटतिला एकादशी के दिन काले तिल का क्या महत्व है।

षटतिला एकादशी के दिन काले तिल का महत्व क्या है?

काले तिल को भगवान विष्णु का प्रिय अन्न माना जाता है। षटतिला एकादशी को भगवान विष्णु को समर्पित किया जाता है, इसलिए इस दिन काले तिल का उपयोग करके उनकी पूजा की जाती है। ऐसी मान्यता है कि काले तिल का दान करने से सभी पापों से मुक्ति मिलती है। काले तिल का दान करने से पितृ दोष दूर होता है और पितरों को शांति मिलती है। काले तिल का दान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। आपको बता दें, षटतिला से अर्थ है तिल। इसलिए इस दिन काले तिल भगवान विष्णु को चढ़ाना, पितरों को काले तिल अर्पित करें, काले तिल का दान करना, काले तिल के तेल का दीपर जलाना और यहां तक कि काले तिल को पानी में डालकर स्नान करना बेहद सौभाग्यशाली माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि इस दिन जितना हो सके, काले तिल का प्रयोग विशेष रूप से करने से व्यक्ति के सौभाग्य में वृद्धि हो सकती है।

काले तिल का धार्मिक महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, काले तिल को मोक्षदायक माना जाता है। शास्त्रों के अनुसार, काले तिल का दान करने से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है। माघ मास में काले तिल का दान और उबटन विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है। इसे दान करने से पुण्य मिलता है और व्यक्ति के जीवन में समृद्धि आती है। काले तिल का उपयोग सूर्य देवता की पूजा में भी किया जाता है। इसे सूर्योदय के समय जल में मिलाकर अर्पित करने से सूर्य देवता की कृपा प्राप्त होती है। भगवान श्री कृष्ण को काले तिल अर्पित करने से भक्त की सारी इच्छाएं पूरी होती हैं और उनका जीवन सुखमय होता है।

काले तिल का ज्योतिष महत्व

तिल का ज्योतिष में उपयोग नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने और शुभ फलों को प्राप्त करने के लिए किया जाता है। माघ माह में तिल का सेवन और दान करने से मंगल ग्रह के प्रभाव में सुधार हो सकता है। इसे मानसिक शांति और समृद्धि के लिए भी लाभकारी माना जाता है।

मतदान लोकतंत्र का आधार, मतदाता आधार स्तंभ-कलेक्टर सुश्री गांधी

- हर निर्वाचन में अपने मताधिकार का प्रयोग करने कलेक्टर की अपील
- राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्रम सम्पन्न

ब्यूरों सैय्यदा मुनीजा़ हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। धमतरी/ भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन स्थानीय गांधी मैदान धमतरी में सुबह 11 बजे से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री नम्रता गांधी ने नये मतदाताओं का स्वागत किया। कलेक्टर ने कहा कि मतदान लोकतंत्र का आधार है और मतदाता आधार स्तंभ। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदाताओं को हर एक निर्वाचन में बढ़-चढ़कर वोट डालने चाहिए। हर एक मतदाता का वोट कीमती है और उसकी अपनी अहमियत है। उन्होंने नए मतदाताओं को विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा बनने पर बधाई दी। कलेक्टर ने कहा कि बिना भेदभाव के मत देने का अधिकार देने वाले भारत देश और उसके संविधान पर हमें गर्व होना चाहिए। कलेक्टर सुश्री गांधी ने आगामी दिनों में होने वाले नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन सहित सभी निर्वाचनों में जिले के मतदाताओं से अपने-अपने मताधिकार का शत-प्रतिशत प्रयोग करने की अपील की। कार्यक्रम स्थल पर स्थापित सेल्फी जोन में नए मतदाताओं ने उत्साहपूर्वक सेल्फी भी ली। कार्यक्रम में उपस्थित पुलिस अधीक्षक श्री आंजनेय वार्ष्णेय ने कहा कि हमारे देश में 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले नागरिकों को निर्वाचनों में मत देने का अधिकार मिलता है। पुलिस अधीक्षक ने सभी मतदाताओं से अपने मताधिकार का प्रयोग कर मजबूत लोकतंत्र में अपनी भागीदारी निभाने की अपील की। उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री प्रीति दुर्गम ने मतदान संबंधी रूपरेखा एवं मतदान के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में जिले में पहली बार वोट डालने के लिए नए मतदाताओं कों रंगीन मतदाता फोटो परिचय पत्रों का भी वितरण किया गया। कलेक्टर सुश्री गांधी ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी मतदाताओं को हर एक निर्वाचन में अपने मताधिकार का प्रयोग करने की शपथ भी दिलाई। इस अवसर पर रेडक्रॉस सोसायटी के श्री आकाश गिरी गोस्वामी एव दल द्वारा मतदाता जागरूकता संबंधी नुक्कड़ नाटक की भी प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले विधानसभा सिहावा के मतदान केन्द्र क्रमांक 216-जामपानी के बूथ लेबल अधिकारी श्रीमती चित्ररेखा नेताम, विधानसभा कुरूद के मतदान केन्द्र क्रमांक 159-नवागांव के बूथ लेबल अधिकारी श्री खेमनसिंग कंवर और विधानसभा धमतरी के मतदान केन्द्र क्रमांक 47 परेवाडीह के बूथ लेबल अधिकारी श्री उमेश कुमार जोशी को प्रशस्ति पत्र तथा नगद पुरस्कार दिया गया।

संक्षिप्त-खबर

वंदे मातरम गीत का सामूहिक गायन संपन्न

बसना (समय दर्शन)। सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बसना के प्रांगण में वंदे मातरम गीत की 150वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया गया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बड़े टेमरी के प्राचार्य रमेश शर्मा ने कहा कि, वंदे मातरम गीत के भाव को अंत:करण में धारण करने की आवश्यकता है ।भारत माता की वंदना के लिए हर नागरिक को जागरूक होना चाहिए ।विद्यालय कार्यकारिणी के व्यवस्थापक रमेश कर ने कहा कि, युवाओं को वंदे मातरम का नारा जोश से भर देता है ।यह जीवन को धन्य करने वाली है । भारत माता के मान सम्मान के लिए वंदे मातरम गीत का गायन आवश्यक है ।चारों वेदों का आविर्भाव भारत के पावन भूमि में ही हुआ है। हम इसका हमेशा समान करते रहें।अध्यक्ष रामचंद्र अग्रवाल ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की शहादत व्यर्थ नहीं जाएगा ।वह हर युवा को प्रेरणा देने वाली और उत्साह से भर देने वाली बलिदान की कहानी है। कार्यक्रम के अंत में सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गायन किया गया। उक्त कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष जितेंद्र अग्रवाल पूर्व अध्यक्ष धनेश्वर साहू ,संरक्षक सदस्य सुभाष शर्मा, प्राचार्य ,प्रधानाचार्य आचार्य, दीदीयां भैया बहन समेत पालकगण सम्मिलित थे ।

ग्राम भ्रमण व मानव श्रृंखला बनाकर मतदाता जागरूकता हेतु प्रेरित किया गया

बसना (समय दर्शन)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला सावित्रीपुर में अध्यनरत समस्त छात्र-छात्राओं और शिक्षकों द्वारा शाला में राज्य शासन के निर्देशानुसार 24 जनवरी को वन्दे मातरम दिवस एवं 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के रूप में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर प्रथम दिवस शिक्षकों ने'वन्दे मातरम' गीत के प्राचीन इतिहास तथा स्थाई महत्व पर प्रकाश डाला गया । द्वितीय दिवस राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में छात्र-छात्राओं तथा शिक्षकों द्वारा ग्राम भ्रमण कर रैली निकालकर मानव श्रृंखला बनाया गया। बच्चे,पालक एवं शाला विकास समिति के सभी सदस्यों ने वंदे मातरम गीत गाया और राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में प्राचार्य एवं विषय विशेषज्ञ शिक्षकों ने व्याख्यान देकर विस्तृत जानकारी प्रदान की।

ग्राम भ्रमण कर 'वन्दे मातरम' दिवस मनाया गया

सरायपाली(समय दर्शन)। शासकीय उच्च प्राथमिक शाला रिमजी, संकुल- सिंघोडा, विकासखंड - सरायपाली में अध्यनरत समस्त छात्र-छात्राओं और शिक्षकों द्वारा शाला में राज्य शासन के निर्देशानुसार 24 जनवरी को वन्दे मातरम दिवस के रूप में धूमधाम से मनाया गया जिसमें पदस्थ शिक्षक डोलामणि चौहान, कमल नारायण भोई और प्रभारी प्रधान पाठक ओम प्रकाश साव द्वारा 'वन्दे मातरम' गीत के प्राचीन इतिहास तथा स्थाई महत्व पर प्रकाश डाला गया । राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के अर्थ पर पुन: व्याख्यान किया गया साथ में छात्रों द्वारा अपने ज्ञान अर्जन कर 'वंदे मातरम' दिवस के प्राचीन इतिहास पर वाचन किया गया। ग्राम रिमजी के मध्य भाग मंडली में छात्र-छात्राओं तथा शिक्षकों द्वारा भ्रमण कर रैली निकला गया। ग्राम मध्य मंडली में सभी ग्राम वासियों तथा निशुल्क आयुष स्वास्थ्य मेला में उपस्थित सभी स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों के साथ राष्ट्रीय गीत का गायन किया गया। ग्राम में सभी छात्र-छात्राओं द्वारा वंदे मातरम दिवस के उपलक्ष में 'वन्दे मातरम' गीत पर छात्र-छात्राओं द्वारा गीत के इतिहास एवं महत्व का वाचन लाउड स्पीकर के माध्यम से किया गया सभी ग्राम वासियों का विशेष सहयोग रहा। इसी प्रकार शासकीय प्राथमिक शाला सिरशोभा में वंदे मातरम दिवस धूमधाम से मनाया गया। प्रधान पाठक दुर्वादल दीप ने राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के इतिहास एवं महत्व को बताया। बच्चे,पालक एवं प्रबंध समिति के सभी सदस्यों ने वंदे मातरम गीत गाया।

नगरीय निकाय निर्वाचन : नामांकन के तीसरे दिन आज तीन अभ्यर्थियों ने किया नामांकन दाखिल

ब्यूरों सैय्यदा मुनीजा़ हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। धमतरी/ नगरीय निकाय निर्वाचन 2025 की तिथियों की घोषणा होते ही प्रत्याशियों द्वारा नामांकन फार्म क्रय करने और दाखिल करने का सिलसिला शुरू हो गया है। नामांकन के तीसरे दिन आज जिले के नगरनिगम धमतरी सहित पांचों नगर पंचायतों में कुल तीन नामांकन दाखिल किए गए। इनमें नगरनिगम धमतरी में पार्षद पद के लिए एक, नगर पंचायत कुरूद में पार्षद पद के एक और नगर पंचायत मगरलोड में भी पार्षद पद के लिए एक नामांकन दाखिल शामिल हैं।

गौरतलब है कि नगर निगम में महापौर पद के लिए अब तक कुल 8 नामांकन पत्र क्रय किया गया और पार्षद पद के लिए कुल 56 नामांकन फार्म खरीदे गए। यहां आज पार्षद पद के लिए एक नामांकन पत्र दाखिल किया गया। इसी तरह नगर पचांयत कुरूद में कुल 12 नामांकन पत्र खरीदे गए, जिसमें दो अध्यक्ष पद के लिए और 10 पार्षद पद के लिए शामिल हैं। इस नगर पंचायत में भी आज एक नामांकन पत्र दाखिल किया गया। इसके साथ ही नगर पंचायत मगरलोड में कुल 10 नामांकन पत्र खरीदे गए, इनमें अध्यक्ष पद के लिए दो और पार्षद के लिए 8 नामांकन पत्र शामिल है। नगर पंचायत मगरलोड में एक नामांकन आज दाखिल किया गया।

इसी तरह नगर पंचायत नगरी में कुल पार्षद पद के लिए 14 नामांकन पत्र, नगर पंचायत भखारा में पार्षद पद के लिए 4 नामांकन पत्र, नगर पंचायत आमदी में पार्षद पद के लिए 5 नामांकन फार्म प्रत्याशियों ने क्रय किया। तय कार्यक्रम अनुसार नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि 28 जनवरी, नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 29 जनवरी, अभ्यर्थियों द्वारा नाम वापस लेने की अंतिम तारीख और निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची तैयार कर प्रकाशन करने का कार्य 31 जनवरी और मतदान 11 फरवरी तथा मतगणना 15 फरवरी 2025 को की जायेगी।

भाजपा से डॉ.खुशबू अग्रवाल को नगर पंचायत अध्यक्ष प्रत्याशी घोषित करते ही नगर मे खुशी का माहौल

बसना (समय दर्शन)। भाजपा से डॉ. खुशबू अग्रवाल को नगर पंचायत बसना का अधिकृत प्रत्याशी बनाया गया है।

डॉ.खुशबू अग्रवाल को नगर पंचायत के अध्यक्ष पद हेतु प्रत्याशी घोषित होते ही नगर मे खुशी का माहौल देखा जा रहा है। सभी जगह चौक चौराहों, सार्वजनिक जगहों, चाय-काफी पान दुकानों में नगर पंचायत मे भाजपा से स्वच्छ छवि की युवा व विदुषी महिला को नगर अध्यक्ष हेतु कमान सौपने की विचारधारा की जगह जगह तारीफ हो रही है।

विगत कुछ दिनों से बसना नगर पंचायत अध्यक्ष की पद के लिए भाजपा से टिकट देने शीर्ष नेतृत्व के कुशल मार्गदर्शन में गहन चिंतन मनन पश्चात अंतत: बसना के प्रख्यात समाजसेवी अग्रवाल नर्सिंग होम बसना के संचालक व विधानसभा बसना के संयोजक डॉ एन के अग्रवाल की बड़ी बहू डॉ.खुशबू अग्रवाल के नाम पर मुहर लगी।

नगर पंचायत अध्यक्ष पद की अधिकृत प्रत्याशी डॉ. खुशबू अग्रवाल ने भाजपा शीर्ष संगठन, माननीय लोकसभा सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, बसना विधानसभा विधायक डॉ. संपत अग्रवाल सहित समस्त पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और विशेष रूप से बसना नगर की जनता का हृदय से आभार व्यक्त किया।

डॉ. खुशबू अग्रवाल ने कहा कि, उन्हें जो यह जिम्मेदारी दी गई है, उसे शीर्ष नेतृत्व, संगठन और नगर के जनता की विश्वास का सम्मान करते हुए सबके साथ व आशीर्वाद से बसना का सर्वांगीण विकास करना है। उन्होंने बसना के विकास को तेज गति देने और नगर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने का संकल्प लिया।

डॉ. खुशबू अग्रवाल ने कहा, बसना की जनता के सहयोग और समर्थन से हम सभी मिलकर नगर को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे। हमारी प्राथमिकता स्वच्छता, सुंदरता और नागरिक सुविधाओं का उन्नयन रहेगा।

इस अवसर पर कार्यकर्ताओं और समर्थकों में भी उत्साह देखा जा रहा है।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस : लोकतंत्र में मतदान के महत्व को समझना जरूरी : कलेक्टर लंगेह

- नए मतदाताओं को ईपिक कार्ड देकर सम्मानित किया गया
- निर्वाचन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारी कर्मचारी सम्मानित
- आकर्षक रंगोली से मतदाता दिवस का संदेश दिया गया

महासमुंद (समय दर्शन)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में इस वर्ष भी 25 जनवरी को 15 वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया गया। शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य महाविद्यालय के सभागार में जिला स्तरीय मतदाता दिवस के अवसर पर कलेक्टर एवं ज़िला निर्वाचन अधिकारी श्री विनय लंगेह मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। समारोह की अध्यक्षता वन मंडलाधिकारी श्री पंकज राजपूत ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत सीईओ श्री एस आलोक, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री रवि कुमार साहू थे। कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी के छाया चित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर देश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने मतदाता दिवस का संदेश दिया।

भारत निर्वाचन आयोग का उद्देश्य इस समारोह के द्वारा 17-18 वर्ष आयु पूर्ण करने वाले लोगों में पंजीयन हेतु जागरूकता पैदा करना है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर एवं ज़िला निर्वाचन अधिकारी श्री लंगेह ने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहां लोग स्वयं अपनी सरकार चुनते हैं। प्रत्येक 18 वर्ष एवं इससे अधिक आयु का वयस्क नागरिक मतदान करने का अधिकारी है। नागरिकों का मतदान का मतलब उनका अपनी सरकार चुनने में योगदान देने से है। प्रत्येक मतदान का अपना महत्व है क्योंकि बहुमत के आधार पर ही सरकार का निर्णय होता है अर्थात सरकारें बहुमत के आधार पर ही चुनी जाती हैं। हम सभी राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी निभाते हुए अपने अपने नगर, गांव टोला में 18 वर्ष पूरे कर चुके युवक-युवतियों का मतदाता सूची में नाम दर्ज करवाना हम सभी की जिम्मेदारी है। ताकि 18 वर्ष पूर्ण कर चुके युवक-युवती राष्ट्र के निर्माण में अपना बहुमूल्य वोट देकर जिम्मेदार नागरिक का फर्ज निभाये। प्रयास करें कि एक भी 18 वर्ष से ऊपर के नागरिक का नाम मतदाता सूची से वंचित ना हो। इस दौरान उन्होंने कहा कि वोट देने का मतलब लोकतंत्र की प्रक्रिया को मजबूत बनाना है। उन्होंने अनेक उदाहरण से बताया कि भारत में लोकतंत्र की जड़े कितनी गहरी है। मतदान करने से ही लोकतंत्र की खूबसूरती है।इस अवसर पर कलेक्टर ने निर्वाचन में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बी एल ओ से लेकर अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि जिले में सबके सहयोग से स्वतंत्र और निष्पक्ष निर्वाचन सम्पन्न हो पाया।

इस अवसर पर वनमंडल अधिकारी पंकज राजपूत ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि हमें अपने वोट के अधिकार को समझना है। उन्होंने कहा कि हमें अपने अधिकार के लिए आवाज उठानी होगी, इसका इस्तेमाल करना होगा तभी लोकतंत्र सशक्त होगा। उन्होंने एक वोट का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि कोई एक वोट से जीतता या हारता है ये लोकतांत्रिक प्रक्रिया में निर्वाचन के कारण होता है।

इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एस. आलोक ने अपने प्रतिवेदन में कहा कि प्रत्येक मतदाताओं को अपने वोट का उपयोग अवश्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग एक संवैधानिक संस्था है। देश में प्रजातांत्रिक व्यवस्था यहां की खूबसूरती है। यहां हर व्यक्ति को अपने जनप्रतिनिधि का चुनाव करने का अधिकार होता है। उन्होंने यह भी बताया कि मताधिकार एक विधिक अधिकार है। उन्होंने महासमुंद में पिछले लोकसभा निर्वाचन के आंकड़ों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी रवि कुमार साहू ने बताया कि स्थानीय निर्वाचन के लिए आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। उन्होंने महाविद्यालय के छात्र छात्राओं से स्वीप के तहत जगाव मतदाता आभियान में सहभागिता निभाने की अपील की। सहायक नोडल अधिकारी स्वीप व जिला मिशन समन्वयक रेखराज शर्मा ने बताया कि लोकसभा सभा निर्वाचन के दौरान लगभग 84 प्रतिशत मतदान हुआ जो यह दर्शाता है कि महासमूंद के मतदाता कितने जागरूक है ।

इस अवसर पर महाविद्यालय के नोडल प्राध्यापक ,स्कूल व अन्य अधिकारी , बी एल ओ, कैम्पस अंबेसेडर,निर्वाचन से जुड़े लगभग 82 अधिकारी कर्मचारी को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में मतदाताओं को शपथ दिलाई गई और नए मतदाताओं को ईपिक कार्ड और पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया। इनमें देवेन्द्र निषाद,रूपेश साहू , महेन्द्र, यशोदा जलक्षत्री, प्रियांशु, शामिल हैं । महाविद्यालयीन छात्र छात्राओं द्वारा मतदाता दिवस के थीम पर आकर्षक रंगोली बनाकर संदेश दिया गया ।

कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी निर्वाचन आयोग द्वारा सम्मानित

दुर्ग (समय दर्शन/ निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा निर्वाचन 2024 में उत्कृष्ट कार्य के लिये दुर्ग कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी को सम्मनित किया गया। आज इंदिरा गांधी कृषि विश्व विद्यालय रायपुर में मतदाता दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में राज्य निर्वाचन आयोग आयुक्त श्री अजय सिंह ने कलेक्टर सुश्री चौधरी को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह भेंट किया। उल्लेखनीय है कि लोकतंत्र में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका मतदाताओं की होती है। मतदाताओं की निर्वाचन में जितनी अधिक संख्या में सहभागिता रहेगी उतना ही लोकतंत्र मजबूत होगा। कलेक्टर सुश्री चौधरी ने शहरी क्षेत्र होने के बावजूद विगत लोकसभा निर्वाचन में मतदान प्रतिशत में 2.48 प्रतिशत वृद्धि कराने में सफलता हासिल की थी। इसके लिए उन्हें उत्कृष्ट जिला निर्वाचन अधिकारी के रूप में सम्मानित किया गया है। इसी कड़ी में जिला निर्वाचन कार्यालय के सहायक प्रोग्रामर सुश्री छाया साहू को भी मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के उत्कृष्ट संपादन के लिये सम्मानित किया गया है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल हुए जिला एवं सत्र न्यायाधीश

शंकर लहरे/ सरायपाली(समय दर्शन)। दुर्गा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लम्बर में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि एस तोमर अध्यक्ष-दुर्गा शिक्षण व सेवा समिति लंबर, अध्यक्षता जी पी पटेल प्राचार्य दुर्गा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लंबर आर. आर पटेल अंगद साहू के विशिष्ट आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्या दायिनी मां सरस्वती की पुजा अर्चना कर का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि के आसंदी से तोमर ने कहा- विद्यार्थियो की सर्वांगीण विकास व छुपी हुई कला एवं प्रतिभाओं को निखारने के लिए विद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होना चाहिए। और उसी अनुरूप यह विद्यालय प्रति वर्ष सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन करते आ रहा है , इसके लिए मैं विद्यालय के कार्यक्रम प्रभारी, समस्त शिक्षकों एवं छात्र छात्राओं को साधुवाद देता हूं। सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान सरायपाली न्यायालय के जज पंकज आलोक तिर्की (हितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश,)एवं पवन अग्रवाल,(अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश)का आगमन हुआ और उनके द्वारा विद्यालय परिसर में स्थापित स्वामी विवेकानंद एवं राष्ट्र पिता महात्मा गांधी के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। न्यायाधीश तिर्की जी नें कहा कि पहले और अभी के शिक्षा व्यवस्था में बहुत अंतर देखने को मिलता है ,वर्तमान शिक्षा प्रणाली को सुधारने के लिए फिर से शिक्षको को उनके छड़ी वापस कर दो, शिक्षा व्यवस्था सुधर जायेगी । आगे अपने उद्बोधन में उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी पालकों से कहा कि छात्र, शिक्षक के सबंध मधुर होते हैं, बेवजह शिकायत नहीं होनी चाहिए यदि शिक्षको के द्वारा गलत होता है तो आवाज भी उठानी चाहिए। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश पवन अग्रवाल जी ने कहा- सांस्कृतिक कार्यक्रम के बीच में ज्यादा बोलना ठीक नही है लेकिन उन्होंने समस्त छात्र एवं छात्राओं को जादू टोना , टोनही अपराध अधिनियम , भूत प्रेत, अंधविश्वास, गुटखा, एवं गुड़ टच बेड टच के बारे में बतलाते हुए उपस्थित समस्त विद्यार्थियों को जीवन पर्यन्त नशा पान न करने की संकल्प कराया। और कहा कि - नशा पान करने वाला तो बर्वाद होता ही है, और वह पूरे परिवार को भी बर्बाद कर देता है। सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया, जिसमे छत्तीसगढ़ी, उड़िया , हिंदी गीतों पर अपनी प्रस्तुति दीए । महतारी जय होवे तोर, छम-छम बोले पांव के पैरी, हाय जो जशोदा रानी, रसरकेली रे, ये अमराई म तोरे तान बसे है ने खुब तालियाँ बटोरे । आज के सांस्कृतिक कार्यक्रम में नवीन पटेल प्राचार्य शासकीय हाई स्कूल लंबर आर के प्रधान छात्रावास अधीक्षक, शिक्षक भोई जी , के डी-मानिकपुरी, मदन चौरसिया, चंदू चौरसिया, रामेश्वर सिदार, डी.जे. पटेल, भीमदेव, शिव साहू उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के व्याख्याता एवं समस्त स्टाफ एवं छात्र संघ पदाधिकारी ने सहयोग प्रदान किए । जिसमें जे के जायसवाल, वी एल साहू, डी मानिकपुरी ,एल के साहू, सी आर जायसवाल, सी के जायसवाल ,अजय चंद्रा , एल के सिदार. एफएस. बरिहा. खिरोद्र सितार, मनीषा साहू शालायक, रीतू पटेल सांस्कृतिक सचिव, हेमलता यादव, धनुर्जय श्रीवास, पवन बरिहा. साहिल चंद्रा, शंकराजीत आदि थे। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम प्रभारी आर के पटेल ने किया ।

खबर-खास

आदर्श कन्या आश्रम बारुका में मनाया गया बालिका दिवस

गरियाबंद (समय दर्शन)। भारत में हर साल 24 जनवरी को राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है।इस दिन का उद्देश्य बालिकाओं के अधिकारों की रक्षा करना,उनकी शिक्षा और स्वास्थ्य को बढ़ावा देना,और समाज में उनकी स्थिति को सुधारना है। विकासखंड चिकित्सा अधिकारी और जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ.बी.बारा के मुख्य आतिथ्य में एक कार्यक्रम आयोजित कर आदर्श कन्या आश्रम बारुका में राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया।इस अवसर पर रंगोली प्रतियोगिता,ज्ञानवर्धक मौखिक प्रश्नोत्तरी,गुब्बारा फूलाओ प्रतियोगिता और अन्य खेलकूद के माध्यम से बालिकाओं की प्रतिभाओं को सामने लाने का प्रयास किया गया। इस अवसर पर बच्चों को संबोधित करते हुए डॉ.बारा मैडम ने सभी बालिकाओं को बालिका दिवस की शुभकामनाएं और बधाई देते हुए कहा कि अच्छे स्वास्थ्य और अच्छी शिक्षा पर हर बच्चे का हक है।बालिकाओं को सिर्फघरेलू काम तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए।उनके भीतर में छिपी प्रतिभा को पहचान कर उन्हें उसके अनुसार अच्छी शिक्षा देकर और उचित परामर्श देकर जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।महिलाएं जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं।ऊंचे पदों पर प्रतिष्ठित हो रही हैं।इसीलिए बालिकाओं को अभी से भविष्य में वो क्या कर सकती है,इसकी जानकारी देनी चाहिए। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग से विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक शेखर ध्रुवे,बीईटीओ एम.एल.कश्यप,रोशनी ध्रुवे सीएचओ स्वास्थ्य पर्यवेक्षक दामोदर दुबे,के.के.कृषाणु, कन्या आश्रम अधीक्षिका सावित्री ध्रुव,शिक्षिकाएं दीपा साहू,कविता साहू,गीता कमरे,मितानिन प्रशिक्षक झामिन साहू,आभा कार्यकर्ता नमिता गोस्वामी,मितानिन रामहीन बाई, गेंदी बाई सहित कन्या आश्रम की सभी बालिकाएं और स्टॉफ उपस्थित थे।

जिला चिकित्सालय में राष्ट्रीय बालिका दिवस संपन्न

गरियाबंद (समय दर्शन)। भारत में हर साल 24 जनवरी को राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है।इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं के अधिकारों की रक्षा करना, उनकी शिक्षा एवं स्वास्थ्य को बढ़ावा देना तथा समाज में उनकी स्थिति में सुधार लाना है।जिला चिकित्सालय गरियाबंद में भी राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया। जिसमें जिले की मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ गार्गी यदु पाल के द्वारा जिला चिकित्सालय स्थित पोषण पुनर्वास केंद्र एनआरसी में भर्ती बच्चों तथा प्रसूति वार्ड में भर्ती प्रसूता माताओं और नवजात शिशुओं को क्लीन पारचुरेशन सेचल प्रदाय किया गया।साथ ही महिला वार्ड में भर्ती किशोरी बालिकाओं और महिलाओं को सेनेटरी पैड प्रदाय किया गया,और उनके अच्छे स्वास्थ्य और उज्जवल भविष्य की शुभकामना देते हुए उन्हें बालिका दिवस की बधाई दी।इस अवसर पर जिला परिवार कल्याण अधिकारी डॉ.लक्ष्मीकांत जांगड़े,ईएनटी विशेषज्ञ डॉ.अमन कुमार हुमने,जिला सलाहकार डॉ. शंकर पटेल,डॉ.सृष्टि यदु सहित जिला चिकित्सालय के अधिकारी कर्मचारी और नर्सिंग स्टॉफउपस्थित रहे।

गरियाबंद पुलिस द्वारा 13 लीटर अवैध शराब के साथ एक आरोपी को किया गिरफ्तार

गरियाबंद। नया सवेरा अभियान अंतर्गत वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश में समस्त थाना प्रभारी अपने- अपने थाना क्षेत्र अंतर्गत गांजा,शराब, जुआ, सट्टा पर कार्यवाही करने हेतु निर्देश दिए थे।जिसके परिपालन मे आज 25 जनवरी को थाना प्रभारी देवभोग निरीक्षक गौतमचंद गावडे को मुखबिर से सूचना मिल की ग्राम खजुरपदर मे एक व्यक्ति अवैध रूप से देशी महुआ कच्ची शराब लोगो को बेच कर अवैध धन लाभ अर्जित कर रहा है।जिसकी सूचना तस्दीक पर थाना देवभोग से पुलिस टीम द्वारा घटना स्थल पर टीम मौके पर पहुंची और रेड की कार्यवाही करते हुए आरोपी को मौके पर पकड कर नाम पता पुछने पर अपना नाम रायमल मरकाम निवासी खजुरपदर होना बताया।आरोपी के कब्जे से 13 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब कीमती 1300 रुपये को बरामद कर आरोपी का उक्त कृत्य अपराध का पाए जानें से आरोपी के विरूद्ध 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में भेजा गया है।उक्त कार्यवाही में थाना देवभोग की विशेष भूमिका रही।

गणतंत्र दिवस पर जिले की उप पुलिस अधीक्षक अंजू व कवर्धा कोतवाली प्रभारी लालजी वीरता पदक से सम्मानित होंगे

नक्सल मोर्चे पर वीरता पदक से सम्मानित होने वाली पहली महिला अधिकारी बनी अंजू

कवर्धा (समय दर्शन)। गणतंत्र दिवस 2025 के अवसर पर उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) श्रीमती अंजू कुमारी और थाना कोतवाली प्रभारी निरीक्षक लालजी सिन्हा को उनके साहस, उत्कृष्ट नेतृत्व और नक्सल उन्मूलन अभियान में उनके असाधारण योगदान के लिए देश के सर्वोच्च पुलिस वीरता पदक से सम्मानित किया जाएगा।

श्रीमती अंजू कुमारी ने नक्सल मोर्चे पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए देश की पुलिस सेवा में एक नई मिसाल कायम की है। वे नक्सल मोर्चे पर शामिल होने वाली पहली महिला राजपत्रित अधिकारी हैं, जिन्हें वीरता पदक से सम्मानित किया गया है। उनकी यह उपलब्धि न केवल महिला सशक्तिकरण का प्रतीक है, बल्कि पुलिस सेवा में महिलाओं की शक्ति और साहस को भी उजागर करती है।

उनकी विशेष तैनाती के दौरान दंतेवाड़ा जिले के थाना अरनपुर क्षेत्र के ग्राम नहाड़ी में नक्सलियों के खिलाफ एक निर्णायक मुठभेड़ में उन्होंने बेहतरीन नेतृत्व का प्रदर्शन किया। इस अभियान में उनकी टीम ने दो कुख्यात महिला नक्सलियों को मार गिराया और बड़ी मात्रा में हथियार, विस्फोटक सामग्री और अन्य नक्सली उपकरण बरामद किए। यह सफलता इस क्षेत्र में शांति की स्थापना में महत्वपूर्ण कदम साबित हुई।

निरीक्षक लालजी सिन्हा ने भी बस्तर क्षेत्र में अपनी साहसिक कार्यवाहियों से नक्सल गतिविधियों को कमजोर किया और क्षेत्र में शांति स्थापित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। 17-18 जून 2021 को दरभा क्षेत्र में उनके नेतृत्व में नक्सल गश्त के दौरान हुई मुठभेड़ में उनकी टीम ने एक महिला नक्सली को मार गिराया और एक इंसास-47 राइफल सहित कई अन्य हथियार बरामद किए। उनकी निडरता और समर्पण से नक्सलवाद को कमजोर किया गया और क्षेत्र में सुरक्षा बहाल हुई।

पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने इन दोनों अधिकारियों की बहादुरी और समर्पण को सराहा और उन्हें वीरता पदक मिलने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि इन अधिकारियों की निडरता और कठिन परिस्थितियों में उनके द्वारा किए गए असाधारण कार्य अन्य पुलिस कर्मियों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र बघेल और पंकज पटेल ने भी इन अधिकारियों की वीरता को सराहा और उन्हें बधाई दी। साथ ही समस्त कबीरधाम पुलिस बल ने इन अधिकारियों की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया और उनकी वीरता को सलाम किया।

पूर्व नपा अध्यक्ष गफ्फू मेमन ने सहित भाजपा नेताओं ने नपा अध्यक्ष प्रत्याशी प्रशांत मानिकपुरी और सभी पार्षद प्रत्याशियों को मिठाई खिलाकर दी बधाई दी

तिरंगा चौक में भाजपा ने किया स्वागत

अध्यक्ष सहित 15 वार्डो के भाजपा परचम लहराएगी - मेमन

गरियाबंद (समय दर्शन)। भाजपा ने शनिवार को गरियाबंद नगर पालिका अध्यक्ष और पार्षद पद के लिए प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। नए चेहरे के रूप में प्रशांत मानिकपुरी को अध्यक्ष प्रत्याशी बनाया गया है। घोषणा होने के बाद निवर्तमान नगर पालिका अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार मेमन अध्यक्ष प्रत्याशी प्रशांत मानिकपुरी और सभी पार्षद प्रत्याशियों से रूबरू मुलाकात कर उन्हें मिठाई खिलाकर बधाई दी। इस दौरान पूर्व पालिका अध्यक्ष मेमन ने कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार है। पांच साल हमने, पूरी नगर पालिका की टीम ने मिलकर नगर के विकास के लिए बेहतर काम किया है। आगामी चुनाव में इसका लाभ पार्टी को मिलेगी। भाजपा अध्यक्ष सहित पूरे 15 वार्डो में परचम लहराएगी। रिकॉर्ड मतों से जीत दर्ज करेगी। मेमन ने कहा कि भाजपा में पार्टी का निर्णय सर्वोपरी होता है। पार्टी ने जिन्हे प्रत्याशी बनाया है, हम सब मिलकर उन्हें चुनाव जिताएंगे। नगर के एक एक वार्ड में एक एक घर तक पहुंच

भाजपा प्रत्याशी को जिताने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार - इस बाद पूर्व नपा अध्यक्ष गफ्फूमेमन, सभी भाजपा नेताओं ने गरियाबंद पहुंचने पर तिरंगा चौक में आतिशबाजी और फूल वर्षा के साथ अध्यक्ष सहित सभी प्रत्याशियों का जोशीला स्वागत किया। इस दौरान वरिष्ठ नेता बलदेव सिंह हुंदल, मुरलीधर सिन्हा, केशव साहू, नरोत्तम साहू, पुष्पक देवांगन, अमित वखारिया, विकास रोहरा, तरुण ठाकुर, राकेश सोनी, यश मिश्रा, नमन सेन, ने उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर प्रत्याशी राधेश्याम सोनवानी, प्रकाश यादव, रेणुका साहू, खूबसूरती नेताम, विष्णु मरकाम, टिमेश्वरी ध्रुव, खेम सिंह बघेल, मधु देवांगन, बिंदु सिन्हा,, पुष्पा साहू, सूरज सिन्हा सभी प्रत्याशी मौजूद थे।

प्रयेक मतदाता को अपने वोट का उपयोग अवश्य करना चाहिए -संभागायुक्त कावरे

राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शपथ दिलाई गई

गरियाबंद (समय दर्शन)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में इस वर्ष भी 25 जनवरी को 15 वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया गया।भारत निर्वाचन आयोग का उद्देश्य इस समारोह के द्वारा 17-18 वर्ष आयु पूर्ण करने वाले लोगों में पंजीयन हेतु जागरूकता पैदा करना है।उक्त कार्यक्रम का आयोजन जिला स्तर पर वन विभाग के ऑक्शन हॉल में दोपहर 11 बजे से किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अपर रायपुर संभागायुक्त महादेव कावरे, अध्यक्षता कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा मौजूद थे।कार्यक्रम में भारत निर्वाचन आयोग के आयुक्त राजीव कुमार का संदेश का प्रसारण भी किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों ने मतदाता दिवस और मतदान की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए अपने विचार व्यक्त किए। साथ ही संभागायुक्त महादेव कावरे तथा कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक कुमार अग्रवाल ने मतदाता शपथ दिलाई गई।इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जी.आर. मरकाम सहित मीडियाकर्मी, अधिकारी-कर्मचारी,स्वसहाता समूह की महिलाएं, बीएलओ,महाविद्यालयीन एवं स्कूल के विद्यार्थिगण उपस्थित थे।

इस अवसर पर संभागायुक्त श्री कावरे ने अपने उद्बोधन में कहा कि कहा की आपका हर एक वोट कीमती है, हर मतदाता को अपने वोट का उपयोग निष्पक्ष तौर पर अवश्य करना चाहिए।उन्होंने कहा की भारत निर्वाचन आयोग एक संविधानिक संस्था है। देश में प्रजातांत्रिक व्यवस्था यहां की खूबसूरती है।यहां हर व्यक्ति को अपने जनप्रतिनिधि का चुनाव करने का अधिकार होता है। उन्होंने यह भी बताया कि मताधिकार एक विधिक अधिकार है।प्रत्येक वर्ष 25 जनवरी के दिन राष्ट्रीय मतदाता दिवस का उद्देश्य नागरिकों को अपने मताधिकार का प्रयोग करने के प्रति जागरूक करना है। इसके अलावा राष्ट्रीय मतदाता दिवस के जरिए देश के प्रत्येक नागरिकों को निर्वाचन प्रक्रिया में भाग लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है।उन्होंने कहा कि मतदाता अपने मत का प्रयोग जरूर करें।युवा देश का भविष्य है।इसलिए वे साफ सुथरी छवि वाले और धर्म जाति,संप्रदाय से ऊपर उठकर जनप्रतिनिधि का चुनाव अवश्य करें। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक कुमार अग्रवाल ने कहा कि जागरूक मतदाता से ही जागरूक देश का निर्माण होता है।सरकार बनने की प्रक्रिया में निर्वाचन की प्रक्रिया पहला चरण है।चुनाव में सभी मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करना चाहिए।प्राय: यह देखने में आया है कि कई मतदाता एक वोट के महत्व को दरकिनार करते हुए मतदान से खुद को वंचित रखते है। जबकि निर्वाचन प्रक्रिया में एक वोट का भी महत्व है।जिले के मतदाताओं में जागरूकता लाने के लिए जाबो कार्यक्रम के तहत विविध कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर ने कहा कि निर्वाचन आयोग के मार्गदर्शन में नवयुवाओं और आम मतदाताओं को मतदान में शत् प्रतिशत भागीदारी करने को कहा।उन्होंने नये मतदाताओं को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें अपने मताधिकार का प्रयोग विवेक से करने कहा।

पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया में प्रत्येक मतदाता को शामिल होना चाहिए।लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रत्येक वोट का महत्व है।एक बेहतर नागरिक के रूप में कर्तव्य व अधिकार को सही परिपेक्ष्य में समझना आवश्यक है,इससे लोकतंत्र की नींव मजबूत होती है। उन्होंने सभी नागरिकों को संविधान के बारे में जानकारी रखने का आग्रह किया,साथ ही कहा कि आपका मत अमूल्य है। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश सिंह राजपूत ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस के बारे में जानकारी दी तथा एसडीएम ऋचा ठाकुर ने आभार व्यक्त किया।इस अवसर पर अतिथियों ने कार्यक्रम में 7 नये मतदाताओं को इपिक कार्ड वितरण किया गया। दो बी.एल.ओ को उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रशस्ति पत्र एवं चेक देकर सम्मानित किया गया।उत्कृष्ट कार्य के लिए नोडल प्राध्यापक प्रेमानंद महिलांग को चेक एवं प्रशस्ति पत्र वितरण किया गया।

कुरूद के बस स्टैण्ड, कारगिल चौक, जनपद पंचायत, पुराना बाजार चौक, स्कूल के 100 मीटर क्षेत्र में तम्बाकू बेचने वाली दुकानों पर कार्रवाई

22 दुकानों पर ढाई हजार रूपये से अधिक का लगाया जुर्माना

ब्यूरों सैय्यदा मुनीजा़ हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। धमतरी/ कलेक्टर सुश्री नम्रता गांधी के निर्देशानुसार जिले में तम्बाकू नियंत्रण के लिए गठित दल द्वारा लगातार निरीक्षण कर कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में आज कुरूद स्थित बस स्टैंड, कारगिल चौक, जनपद पंचायत, पुराना बाजार चौक एवं स्कूल के आस-पास 100 मीटर क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के तम्बाकू बिक्री करने वाले दुकानों मे गठित दल द्वारा निरीक्षण किया गया। इसके साथ ही कोटपा एक्ट के तहत कार्रवाई कर सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान करने वाले 3 व्यक्ति सहित नियमों का उल्लंघन करने वाले पान दुकान, जनरल दुकान, टी स्टॉल, किराना दुकानों मे तम्बाकू नियंत्रण बोर्ड लगाने और 18 वर्ष से कम आयु के बच्चो को गुटखा तम्बाकू न बेचने के निर्देश दिए गए, साथ ही सख्त चेतावनी जारी किया गया। इस दौरान 22 दुकानों पर कार्रवाई कर दो हजार 850 रुपए का जुर्माना लगाया गया।

डॉर्फ-केटल केमिकल्स इंडिया लिमिटेड ने सेबी के समक्ष डीआरएचपी दाखिल किया

रायपुर। डॉर्फ -केटल केमिकल्स इंडिया लिमिटेड, जो कि हाइड्रोकार्बन और औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखलाओं में विशेष रसायनों के एक अनुसंधान एवं विकास तथा नवाचार-केंद्रित वैश्विक निर्माता और आपूर्तिकर्ता हैं, जिनमें तेल और गैस, रिफाइनिंग और पेट्रोकेमिकल्स उद्योग शामिल हैं, और औद्योगिक क्षेत्रों में विविध अनुप्रयोगों वाले ग्राहक हैं, ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। आईपीओ में 5 अंकित मूल्य वाले इक्विटी शेयरों का नया इश्यू शामिल है, जो कुल 1500 करोड़ तक है और 5 अंकित मूल्य वाले इक्विटी शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव है, जो कुल 3500 करोड़ तक है। कुल इश्यू में 5 अंकित मूल्य वाले इक्विटी शेयर शामिल हैं, जो कुल 5000 करोड़ तक हैं। बिक्री के लिए प्रस्ताव में मेनन फैमिली होल्डिंग्स ट्रस्ट (प्रमोटर सेलिंग शेयरहोल्डर) द्वारा 5 अंकित मूल्य वाले इक्विटी शेयर शामिल हैं, जो कुल 3500 करोड़ तक हैं। 1992 में स्थापित, डॉर्फ-केटल केमिकल्स इंडिया लिमिटेड भारत में विशेष रसायनों के विकास, व्यावसायीकरण और अनुप्रयोग में प्रमुख उत्पादकों में से एक है। कंपनी दो श्रेणियों में उत्पाद प्रदान करती है - हाइड्रोकार्बन के लिए विशेष रसायन और औद्योगिक विशेष रसायन। हाइड्रोकार्बन श्रेणी के लिए विशेष रसायनों में तेल क्षेत्र, रिफाइनरी रसायन और पेट्रोकेमिकल्स, ईंधन योजक और संशोधित एसिड प्रमुख उप-श्रेणियों के रूप में शामिल हैं और औद्योगिक विशेष रसायन श्रेणी में ऑर्गेनोमेटेलिक टाइटेनेट्स और जिरकोनेट, पॉलीविनाइल फॉर्मामाइड (पीवीएफ), ओबीए और स्नेहक योजक प्रमुख उप-श्रेणियों के रूप में शामिल हैं। 31 अक्टूबर, 2024 तक, प्रमुख ग्राहक आधार में रिलायंस इंडस्ट्रीज, पेट्रोनास, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, पीपीजी इंडस्ट्रीज, क्लेरिएंट, लिबर्टी एनर्जी, इटालियाना पेट्रोली और वेदांता शामिल थे। 30 सितंबर, 2024 को समाप्त छह महीनों के दौरान, कंपनी के 1,322 ग्राहक थे। एफ्एंडएस रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में, कंपनी को तेल क्षेत्र, रिफाइनरी रसायन और पेट्रोकेमिकल्स और ईंधन योजक में भारत और ब्राजील में राजस्व बाजार हिस्सेदारी के आधार पर पहला स्थान मिला, साथ ही संशोधित एसिड, ऑर्गेनोमेटेलिक टाइटेनेट्स और जिरकोनेट और पीवीएफ में राजस्व बाजार हिस्सेदारी के आधार पर वैश्विक स्तर पर पहला स्थान मिला।

न्यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी भाटापारा, जिला बलौदाबाजार भाटापारा (छत्तीसगढ़)

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र.
ब/121 वर्ष 2024-2025
ग्राम का नाम कोसमंदा

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कुलेश्वर वर्मा पिता श्री अशोक कुमार वर्मा जाति कुर्मी निवासी ग्राम कोसमंदा प0ह0नं0 19 तहसील भाटापारा जिला बलौदाबाजार- भाटापारा (छत्तीसगढ़) के द्वारा अपने पुत्र जागेश्वर वर्मा पिता श्री कुलेश्वर वर्मा माता का नाम श्रीमती उर्मिला वर्मा का जन्म दिनांक 29.08.2012 (स्थान) ग्राम कोसमंदा का पंजीयन करने हेतु रजिस्ट्रार जन्म / मृत्यु सचिव ग्राम पंचायत कोसमंदा तहसील भाटापारा जिला बलौदाबाजार भाटापारा (छत्तीसगढ़) को जन्म/मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 एवं छ0ग0 जन्म/मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम 2001 के नियम 9 (3) के तहत शपथपत्र, अनुपलब्धता, सरपंच प्रमाण पत्र, सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिसके सबंध में प्रकरण विचाराधीन है, तथा दिनांक 10/02/25 को सुनवाई हेतु नियत है। अत: उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की कोई दावा/आपत्ति

पेश करना हो तो नियत पेशी तारीख 10/2/25 तक स्वयं या अपने अभिभाषक या वैध प्रतिनिधि के माध्यम से दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत अवधि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

मुहर

कार्यपालिक दंडाधिकारी
भाटापारा (छ. ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार, सहसपुर लोहारा जिला कबीरधाम (छ.ग.)

रा.प्र.क्र. 202411080200004
अ/21 वर्ष 2024-25
ग्राम दरिगंवा प.ह.न. 30

// ईश्तहार //

एतद् द्वारा सर्वचारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक गैदूराम पिता सोनू जाति-गोड़ निवासी ग्राम-रेगाटोला तहसील-स0लोहारा द्वारा ग्राम दरिगंवा प.ह.न. 30 स्थित भूमि ख.न. 286/2 रकबा 0.222 हेक्टेयर भूमि को गैर-आदिवासी लोकूराम जायसवाल पिता जकलू राम जायसवाल जाति कलार निवासी दरिगंवा तहसील- स0लोहारा को विक्रय करने की अनुमति बाबत् कलेक्टर महोदय कबीरधाम के समक्ष आवेदन पेश किया है जो जांच हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुई है जिसके संबंध में प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है, तथा दिनांक 29/01/25 को सुनवाई हेतु नियत है।

अत: उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा आपत्ति पेश करना हो तो वह अपना दावा/आपत्ति स्वयं अथवा वैध अभिकर्ता के माध्यम से नियत पेशी तिथि 29/01/25 के पूर्व दावा आपत्ति इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 14/01/25 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया।
जारी तारीख :- 14/01/25
पेशी तारीख :- 29/01/25

मुहर

नायब तहसीलदार
तहसील सहसपुर लोहारा
जिला कबीरधाम(छ. ग.)

AM/NS INDIA
ArcelorMittal Nippon Steel India

RE/MAGINEERING
सशक्त भारत का उज्जवल भविष्य,
स्मार्टर स्टील्स के साथ।

आज हम भारत के संप्रभुता का जश्न मनाते है जिसे स्थापित करने में कई दूरदर्शी लोगों का योगदान रहा है। एक ऐसा देश जो आदर्शों, दूरदर्शिता, कल्पना और स्टील समान आतंरिक शक्ति से बना है। सबके उज्जवल भविष्य के लिए, AM/NS India अपने स्मार्टर स्टील्स से इस मजबूत नींव को और मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

76वें गणतंत्र दिवस की आपको ढेर सारी शुभकामनाएँ!

SMARTER STEELS BRIGHTER FUTURES
#CelebratingTheSteelWithin

एनएमडीसी
NMDC

भारत के गणतांत्रिक मूल्यों को सलाम

भारत सरकार की नवरत्न कंपनी, 67 वर्ष पुरानी खनन महाशक्ति, देश में लौह अयस्क की सबसे बडी उत्पादक कंपनी–एनएमडीसी देश की औद्योगिक प्रगति की प्राणशक्ति है, जो भारत की विरासत की अटूट क्षमता को समाहित किये हुए है।

'स्वर्णिम भारत–विरासत और विकास' के स्वप्न को साकार करने के लिए हम 100 मिलियन टन उत्पादन का लक्ष्य लेकर मजबूत भविष्य के निर्माण हेतु कटिबद्ध हैं साथ ही, मातृभूमि की प्रगति–समृद्धि एवं संरक्षण में अपनी भूमिका निभाने के लिए तत्पर हैं।

एनएमडीसी की ओर से समस्त देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं

जिम्मेवार खनन
वैज्ञानिक। सुस्थिर। खुशियां बिखेरते हुए

एनएमडीसी लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
''खनिज भवन'', 10-3-311/ए, कैसल हिल्स , मासाब टैंक, हैदराबाद - 500 028
सीआईएन: L13100TG1958GOI001674
www.nmdc.co.in /nmdclimited

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित। संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2022-24